■ चैत्र कृष्ण - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 229 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 17-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

सकल श्री जैन संघ को सादर जय जिनेन्द्र।

श्री केसरियाजी प्रभु प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन आदिनाथ भगवान प्रतिष्ठा महोत्सव का नवाह्निक आयोजन अत्यंत भव्य, गरिमामय एवं ऐतिहासिक रूप से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस पुण्य आयोजन में परमात्मा की असीम कृपा, गुरुभगवंतों के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन, साथ ही श्री संघ के अनेक शिरोमणि सदस्यों का अनूठा सहयोग प्राप्त हुआ।

साथ ही, श्री अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक महासंघ, बेंगलोर के समस्त मंडल, शंकरपुरम युवा मंडल, महिला मंडल, बहु मंडल, बालिका मंडल तथा विशेष रूप से भोजन समिति द्वारा जयणा पालन के साथ उत्तम, स्वादिष्ट एवं सुव्यवस्थित भोजन व्यवस्था ने इस महोत्सव को और अधिक स्मरणीय बना दिया। ट्रस्ट मंडल के कई सदस्यों ने अलग अलग समिति में अपने अनुभव से नेतृत्त्व कर बडी भूमिका निभाई ।

सकल संघ के सभी सदस्यों के समर्पण, सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता से यह प्रतिष्ठा महोत्सव अद्भुत, ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बन सका।

प्रतिष्ठाचार्य, सम्यग्ज्ञान पिपासु, परम पूज्य आचार्यदेव श्री रत्नशेखरसूरीश्वरजी म.सा. के परम पावन शिष्यरत्न, मरुधर रत्न, आचार्य श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा. तथा श्रुतोपासक आचार्य श्री रत्नसंयमसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा 5 ने हमारे प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु अत्यंत दीर्घ विहार कर बेंगलोर पदार्पण किया। उन्होंने मंदिरजी निर्माण एवं प्रतिष्ठा महोत्सव के सम्पूर्ण कालखंड में समय-समय पर अपने दिव्य मार्गदर्शन, मृदु उपदेश एवं आशीर्वाद से हमें अनवरत प्रेरित किया तथा इस महान कार्य को सफल बनाने हेतु अपना समग्र सहयोग प्रदान किया।

हमारा ट्रस्ट मंडल एवं शंकरपुरम श्री संघ, पूज्य आचार्य भगवंतों के चरणों में कोटिशः वंदन निवेदित करता है तथा हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता है।साथ ही, प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर श्रमण गणनायक, तार्किक शिरोमणि, परम पूज्य आचार्यदेव श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा, पूज्य आचार्यदेव श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा तथा बेंगलोर में विराजित समस्त साधु-साध्वी भगवंतों की पावन उपस्थिति ने हमारे प्रतिष्ठा महोत्सव को और भी गौरवमय एवं आशीर्वादमय बना दिया।

पधारे समस्त गुरुभगवंतों के चरणों में हम सपरिवार, ससंघ एवं समस्त ट्रस्ट मंडल की ओर से कोटिशः वंदन अर्पित करते हैं एवं उनकी दिव्य छत्रछाया में अनंत मंगलकामनाएँ करते हैं।

इस ऐतिहासिक प्रतिष्ठा महोत्सव में भोजन व्यवस्था की विशिष्ट और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हमारे संघ के गौरव, जैन संघ के शिरोमणि, जिनके कुशल नेतृत्व में जयणा पालन के साथ-साथ उत्तम, स्वादिष्ट एवं सुव्यवस्थित भोजन का अद्भुत संचालन हुआ हमारे श्रीमान शा. महेन्द्रजी रांका, श्रीमान शा. महावीरजी मेहता एवं श्रीमान शा. सुरेन्द्रजी रांका का हृदय से अभिनंदन।

इनके साथ-साथ श्री महावीर स्वामी वर्षीतप समिति के समर्पित सदस्यगण एवं संघ-समाज के अन्य अनुभवी सदस्यों की टीम ने मिलकर अद्वितीय सेवा भाव से 9 दिनों तक लगभग 2 लाख श्रद्धालुजनों को समय पर, सुचारु रूप से और परिपूर्ण व्यवस्थाओं के साथ भोजन कराया।

इनकी इस उत्कृष्ट व्यवस्था की सराहना न केवल सम्पूर्ण बेंगलोर में हुई, बल्कि यह चर्चा भारतवर्ष के अनेक संघों तक हर्ष और गर्व के साथ पहुँची। हम भोजन समिति के समस्त सदस्यों के प्रति आभार एवं हार्दिक अभिनंदन प्रकट करते हैं, जिन्होंने अपने अथक प्रयासों और सेवा भावना से इस महोत्सव को सफलतम बनाया।

हमारे ट्रस्ट मंडल द्वारा प्रतिष्ठा महोत्सव के संयोजक के रूप में आदरणीय श्रीमान् पारसमलजी भंडारी को नियुक्त किया गया। उन्हें प्रतिष्ठा महोत्सव की सम्पूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसे उन्होंने अत्यंत कुशलता, सूझबूझ और समर्पण भाव से निभाया।

श्री पारसजी भंडारी ने प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गतपत्रिका मुद्रण, भारत के सुप्रसिद्ध संगीतकारों, विधिकारकों व कलाकारों का चयन, साउंड सिस्टम, गहुली, रंगोली, दीपक व रोशनी व्यवस्था, राजदरबार, भव्य भोजन मंडप, मंदिरजी की सजावट, सम्पूर्ण शंकरपुरम क्षेत्र की आकर्षक सजावट, भव्य वरघोड़ा, राजदरबार प्रोडक्शन, नाटिका, प्रतिष्ठा हेतु आवश्यक सभी विधि-विधान, बहुमान, मेंहदी समारोह, बड़ी साँझी इत्यादि सभी आयोजनों की सूक्ष्मता से योजना बनाकर, हर कमेटी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए महोत्सव को ऐतिहासिक सफलता प्रदान की।

उनकी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता, महीनों से की जा रही अथक परिश्रम और दूरदर्शी योजना एवं इस एतिहासिक सफलता हेतु ट्रस्ट मंडल उनकी अनुमोदना करता है एवं उनके प्रति हार्दिक आभार व अभिनंदन व्यक्त करता है।

अभिनंदक: श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम, बैंगलोर

देश, समाज, संगठन या किसी भी संस्था का भविष्य हैं युवा : साध्वीश्री संयमलता

तेयुप बेंगलूरु ने आयोजित की व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद्, बेंगलूरु द्वारा 'युवा शक्ति-संघ भक्ति' विषय पर नगर स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में किया। साध्वीश्री संयमलताजी ने अपने प्रवचन में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश, समाज, संगठन या संस्था का भविष्य युवा हैं। युवा जोश, ऊर्जा और शक्ति का जीता-जागता उदाहरण होते हैं। युवा दुनिया की तकदीर बदल सकते हैं, नए स्वर, नई उमंग, नए अरमान और नई मंजिलें तय कर सकते हैं। युवा संयम और अनुशासन का पर्याय हैं। साध्वीश्री ने कहा, युवा, जो इस युग की लगाम अपने हाथों में थामे हुए हैं, उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि होटलों में जाने से बचें और नशामुक्त जीवन जीने का प्रयास करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए साध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने कहा कि युवा उत्साह, साहस और क्रांति का प्रतीक हैं। संघ और संघपति की भक्ति युवाओं की शक्ति का सही मार्गदर्शन करती है।

इस अवसर पर विशेष अतिथियों में तेयुप के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने वर्तमान के युवाओं की भक्ति का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि इस क्रांतिकारी संघ में युवा न केवल शक्तिशाली हैं, बल्कि भक्ति से भी संपन्न हैं, जो संघ को तेजस्वी एवं यशस्वी बना रहे हैं। परामर्शक दिनेश पोखरणा ने कहा कि शक्ति और भक्ति का संयोग युवा को शिखर तक पहुंचा सकता है। बजरंग जैन ने कहा कि यदि युवा में भक्ति आ जाए, तो उसकी शक्ति उर्वरा हो जाती है और उसे सही दिशा मिल जाती है। शाखा प्रभारी अमित ने परिषद् के कार्यों की सराहना की। कार्यशाला के अंत में परिषद् के अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सभी को धन्यवाद दिया। सभी प्रायोजकों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में तेयुप विजयनगर, राजाजीनगर, हनुमंतनगर, राजराजेश्वरीनगर, टी. दासरहल्ली एवं यशवंतपुर से आए परिषद् पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संत निवेदन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप संचेती, साधु साध्वी चेयरमैन कपिल काल्या, सहचेयरमैन अर्चित पारेख सहित अन्य लोगों ने साध्वीश्री तत्वज्ञाश्री के दर्शन कर उन्हें आगामी 10 अप्रैल को आयोजित श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा रविवार को आचार्यश्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर में निःशुल्क नेत्र जांच व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें डॉ प्रकाश जैन एवं डॉ दीक्षा विजयकुमार ने 34 लोगों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। एटीडीसी टीम द्वारा डॉ प्रकाश एवं डॉ दीक्षा का सम्मान किया गया।

संत दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विभिन्न संघ, परिवारों में होते हुए रविवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी तेरापंथ भवन, हनुमंतनगर पहुंचीं जहां ट्रस्ट के अध्यक्ष गौतम दक ने उनका स्वागत किया। साध्वीश्री ने भिक्षु स्वामी की गीतिका का गान करते हुए कहा कि हनुमंतनगर के श्रावक-श्राविकाओं में अच्छी जागरूकता है। इस अवसर पर सभा के पूर्व अध्यक्ष सुभाष बोहरा, सभा परामर्शक प्रकाश देरासरिया, सभा के उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या व गौतम कातरेला, सभा के मंत्री हेमराज मांडोत, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश झाबक, ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक आदि उपस्थित थे।

नवी मुंबई हवाई अड्डे का उद्घाटन जून में होगा: गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने रविवार को कहा कि आगामी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन जून में किया जाएगा।

इससे पहले, इसका उद्घाटन 17 अप्रैल को होना तय था।

नया हवाई अड्डा- छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद मुंबई महानगर क्षेत्र में दूसरी सुविधा है, जिसे (एक विशेष प्रयोजन इकाई) एनएमआईएएल द्वारा विकसित किया जा रहा है। यह अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) और सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ महाराष्ट्र (सिडको) के बीच 74:26 का संयुक्त उद्यम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी, 2018 में नए हवाई अड्डे की आधारशिला रखी थी, जिस पर 16,700 करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सीमित क्षमता वाले मुंबई हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ को कम करना और देश में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

अदाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, भारत के विमानन भविष्य की एक झलक! आज नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थल का दौरा किया एक विश्व स्तरीय हवाई अड्डा आकार ले रहा है। इस जून में उद्घाटन के लिए तैयार, यह कनेक्टिविटी और वृद्धि को फिर से परिभाषित करेगा। भारत के लिए एक सच्चा उपहार!

उत्तराखंड विस में 'अभद्र टिप्पणी' कर फंसे मंत्री प्रेमचंद ने दिया इस्तीफा

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड विधानसभा में 'पहाड़-मैदान' को लेकर 'अभद्र टिप्पणी' करने के कारण पिछले काफी समय से विरोध का सामना कर रहे संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्रीप्रेम चंद अग्रवाल ने रविवार को पद से इस्तीफा दे दिया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अग्रवाल ने यहां मुख्यमंत्री आवास में पुष्कर सिंह धामी से भेंटकर अपना इस्तीफा सौंपा।

होली से पूर्व मुख्यमंत्री धामी दिल्ली गए थे और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं से इस मसले पर मुलाकात की थी और माना जा रहा था कि जल्द ही अग्रवाल से इस्तीफा मांगा जा सकता है। हाल में राज्य विधानसभा में बजट सत्र के दौरान

कांग्रेस विधायक मदन बिष्ट ने अग्रवाल के खिलाफ टिप्पणी की थी, जिस पर भड़कते हुए मंत्री ने कहा था कि क्या उत्तराखंड केवल पहाड़ के लिए बना है और क्या हमने इसी दिन के लिए आंदोलन किया था कि पहाड़ी और देसी (मैदानी) को लेकर टिप्पणियां की जाएं। इस दौरान अग्रवाल ने अपशब्द भी कह दिया था। अग्रवाल की टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया से लेकर प्रदेश में सड़कों तक प्रदर्शन हुआ और उनके पुतले फूंके गए।

उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनि का आगामी चातुर्मास बेंगलूरु में घोषित

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के आराधना केंद्र में होगा चातुर्मास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/सेलम। सेलम में होली चातुर्मास विराजित उपप्रवर्तक संतश्री नरेशमुनिजी के दर्शनार्थ बेंगलूरु के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी व अन्य गुरु भक्त सेलम पहुंचे और संतों से चातुर्मास के लिए निवेदन किया। इस मौके पर पुष्कर कुल, उपप्रवर्तक संतश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, डॉ दर्शनप्रभाजी, सुप्रभाजी का बेंगलूरु स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के आराधना केंद्र में वर्ष 2025 के चातुर्मास की घोषणा की गई ।

घोषणा होते ही ट्रस्ट मंडल, बेंगलूरु संघ, भवन लाभार्थी, युवा संगठन, महिला मंडल व अन्य मंडलों में खुशी का माहौल छा गया। नरेशमुनिजी ने अपने चातुर्मास के अलावा इचलकंरजी संघ में साध्वीश्री मल्लीश्री, आरथाश्रीजी, बल्लारी संघ मे साध्वीश्री मंगलज्योतिजी व गुंतकल में साध्वीश्री देवेंद्रप्रभाजी के चातुर्मास की भी घोषणा की। चातुर्मास घोषणा के लिए पुष्कर ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। महामंत्री महावीरचंद मेहता ने यह जानकारी दी।

गुरु राजेन्द्रसूरी चित्र प्रदर्शनी व रथ यात्रा का हुब्बल्ली में हुआ आगमन

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। दादा गुरुदेव राजेंद्रसूरीश्वरजी की 200वीं जन्मशताब्दी के अन्तर्गत मुनि डॉ लाभेशविजयजी के निर्देशन एवं राजराजेंद्रसूरी जैन प्रतिष्ठान गुरुधाम पुणे के तत्वावधान में भव्य चित्र प्रदर्शनी व रथ यात्रा का रविवार को हुब्बल्ली शहर में आगमन हुआ जहां गुरुभक्तों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर मरुधर शांति भवन में विराजित खरतरगच्छ समुदाय की साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी ने कहा कि यह रथ यात्रा दादा गुरुदेव के 200 वें जन्म शताब्दी निमित्त प्रचार प्रसार करने के लिए भारत भर में विचरण करेगी जिसमें हस्त निर्मित 421 चित्रों की भव्य प्रदर्शनी लगाई गई है, सभी चित्र बड़े ही मनमोहक है आकर्षक है। परिषद के सदस्य संजय सेठ ने बताया कि यात्रा कर्नाटक, तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश के विभिन्न शहरों से गुजरेगी। चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन लाभार्थी कांतिलाल अमीचंद दाणी परिवार ने, सुबह की आरती का लाभ तेजराज सोहनराज गांधीमुथा परिवार एवं शाम की आरती का लाभ राजेंद्र महिला परिषद ने लिया। इस अवसर पर मरुधर संघ के ट्रस्टी इंद्रमल चौहान, दिनेश संघवी, चम्पालाल जैन, कांतिलाल जैन, वीरचंद काँकरिया, विनीतकुमार बोकाड़िया, सुरेश कटारिया, राजेन्द्र युवा मंडल,नवयुवक परिषद,महिला परिषद आदि ने सदस्य उपस्थित थे।

पारीक महिलाओं ने मनाया गणगौर महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पारीक समाज कर्नाटक की महिला समिति के तत्वावधान में शनिवार को रामदेव प्रार्थना मंदिर में गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया। पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में पद्मा जोशी ने सभी महिलाओं का स्वागत किया तथा भारती पारीक ने संचालन किया।

महिला समिति की सदस्या पद्मा जोशी, सुरेखा जोशी, रुक्मिणी जोशी, एकता पारीक, अंजू पारीक, मेघा पारीक, सरिता जोशी, शोभा जोशी और भारती पारीक के प्रयासों से मिस गणगौर और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मिस गणगौर का खिताब स्वाति तिवाड़ी ने जीता, जबकि प्रथम उपविजेता संतोषी पारीक रहीं। नृत्य प्रतियोगिता में प्रियंका हरीश और स्वाति तिवाड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन में कर्नाटक दाधीच महिला मंडल की प्रचार-प्रसार मंत्री रचना दाधीच तथा बेंगलूरु दाधीच महिला मंडल की सर्वेसर्वा सरोज ओझा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस आयोजन के लिए समाज के अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक ने सभी पदाधिकारियों व समस्त कार्यकारिणी टीम की ओर से महिला समिति को शुभकामानाएं दी।

अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान ने स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में पार्टी की सरकार के तीन साल पूरे होने पर रविवार को अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पंजाब के होशियारपुर में 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र पूरा करने के बाद शनिवार को अमृतसर पहुंचे। स्वर्ण मंदिर में केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पंजाब सरकार में मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता भी मौजूद थे। 'आप' ने 2022 में पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीट में से 92 सीट जीतकर सरकार बनाई थी। केजरीवाल ने अमृतसर में संवाददाताओं से कहा, ''मान साहब ने 16 मार्च 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। आज हम यहां गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। तीन वर्षों में उन्होंने (गुरुओं ने) हमारा मार्गदर्शन किया और लोगों की सेवा करते रहने की शक्ति प्रदान की। '' उन्होंने कहा, ''आज पंजाब में सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। पंजाब के लोगों ने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है। ''

भारत अगले सप्ताह क्षेत्रीय आंतकवाद निरोधक सम्मेलन की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली/भाषा। भारत बुधवार को आतंकवाद और उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करने के वास्ते 10 देशों के संगठन आसियान और उसके कुछ वार्ता साझेदारों के दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आसियान रक्षा मंत्रियों की 'मीटिंग-प्लस' (एडीएमएम-प्लस) तंत्र के ढांचे के तहत आतंकवाद निरोध पर विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) के सम्मेलन में उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य पर भी विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। एडीएमएम-प्लस एक मंच है जिसमें 10 देशों का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन) और उसके आठ वार्ता साझेदार - भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और अमेरिका शामिल हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले ईडब्ल्यूजी सम्मेलन की अध्यक्षता भारत और मलेशिया संयुक्त रूप से करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बैठक में 10 आसियान सदस्यों और समूह के आठ वार्ता साझेदारों के प्रतिनिधिमंडल के साथ-साथ तिमोर लेस्ते और आसियान सचिवालय भी भाग लेंगे।

आव्रजन विधेयक : जाली पासपोर्ट का उपयोग करने पर होगी सात साल तक की जेल

नई दिल्ली/भाषा। संसद द्वारा नए आव्रजन विधेयक को मंजूरी देने की सूरत में भारत में प्रवेश करने, रहने या बाहर जाने के लिए जाली पासपोर्ट या वीजा का इस्तेमाल करने वाले किसी भी व्यक्ति को सात साल तक की जेल की सजा और 10 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की देखरेख में तैयार इस विधेयक में होटलों, विश्वविद्यालयों, अन्य शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम द्वारा विदेशियों के बारे में सूचना देना अनिवार्य करने का प्रावधान है, ताकि निर्धारित अवधि से अधिक समय तक ठहरने वाले विदेशियों पर नजर रखी जा सके। विधेयक में प्रावधान किया गया है कि सभी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन और जहाजों को भारत में किसी बंदरगाह या अन्य स्थान पर यात्रियों और चालक दल की सूची प्रस्तुत करनी होगी।

ग्यारह मार्च को लोकसभा में पेश विधेयक के अनुसार, ''जो कोई भी जानबूझकर जाली पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज या वीजा का उपयोग भारत में प्रवेश करने या भारत में रहने या भारत से बाहर जाने के लिए करेगा, उसे कम से कम दो वर्ष की कैद की सजा दी जाएगी, जिसे सात वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। ऐसा करने वाले पर एक लाख रु. और अधिकतम दस लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा।'' आव्रजन और विदेशी विधेयक, 2025 विदेशियों और आव्रजन से संबंधित सभी मामलों को विनियमित करने के लिए एक व्यापक कानून का रूप लेगा। विदेशियों और आव्रजन से संबंधित मामलों को वर्तमान में चार अधिनियमों के माध्यम से प्रशासित किया जाता है, जिनमें पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920; विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम, 1939; विदेशी अधिनियम, 1946 और आव्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम, 2000 शामिल हैं।

■ चैत्र कृष्ण - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 229 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 17-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 मेवाड़ की विरासत को आगे बढ़ाने में अरविंद सिंह ने निभाई अहम भूमिका

6 कर्नाटक सरकार के नए आरक्षण फैसले पर उठा तूफान

7 बैक-टू-बैक अलग-अलग फिल्मों में काम कर रही हैं शनाया कपूर

फर्स्ट टेक

ट्रंप और पुतिन इस सप्ताह रूस-यूक्रेन युद्ध पर बात करेंगे : अमेरिकी दूत

वेस्ट पाम बीच/एपी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के प्रयास के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह बातचीत कर सकते हैं। ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने यह जानकारी दी। ट्रंप द्वारा जनवरी में राष्ट्रपति का कार्यभार संभाले जाने के बाद दोनों देशों के नेता दूसरी बार सार्वजनिक रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध पर बातचीत करेंगे। ट्रंप और पुतिन ने फरवरी में बातचीत की थी और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता शुरू करने पर सहमति जताई थी। विटकॉफ ने 'सीएनएन' के 'स्टेट ऑफ द यूनियन' कार्यक्रम में रविवार को कहा, ''मुझे लगता है कि इस सप्ताह दोनों राष्ट्रपतियों के बीच बहुत अच्छी और सकारात्मक चर्चा होगी।''

उत्तर मैसेडोनिया के नाइट क्लब में आग लगने से 59 लोगों की मौत, 155 घायल

स्कोप्जे (उत्तर मैसेडोनिया)/एपी। उत्तर मैसेडोनिया के दक्षिणी शहर कोकानी के एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात भीषण आग लगने से 59 लोगों की मौत हो गई और 155 अन्य घायल हो गए। गृह मंत्री पांसे तोशकोवस्की ने यह जानकारी दी। तोशकोवस्की ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आग देर रात 2:35 बजे एक स्थानीय पॉप समूह के संगीत कार्यक्रम के दौरान लगी। उन्होंने कहा कि क्लब में जाने वाले युवाओं ने आतिशबाजी की जिससे आग लग गई। उन्होंने बताया कि अब तक 39 मृतकों की पहचान हो सकी है। क्लब में गए लोगों के परिवार के सदस्य अस्पतालों और कोकानी में कार्यालयों के सामने एकत्र होकर अधिकारियों से इस संबंध में अधिक जानकारी देने की गुहार लगा रहे हैं।

पाकिस्तानः काफिले पर हमला, तीन जवानों समेत 11 लोगों की मौत, 35 घायल

नुश्की/एजेन्सी। पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को अलगाववादियों द्वारा किए गए विस्फोट और सुरक्षा बलों द्वारा की गई जवाबी गोलीबारी में कम से कम तीन सैनिकों व चार आतंकवादियों समेत 11 लोग मारे गए जबकि 35 अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने सुबह फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के काफिले पर आईईडी विस्फोट और आत्मघाती हमला किया। हमले में एफसी के तीन सैनिक और दो नागरिक मौके पर ही मारे गए।

17-03-2025 सूर्यास्त 6:30 बजे | 18-03-2025 सूर्योदय 6:25 बजे

BSE	NSE
73,828.91	22,397.20
(-200.85)	(-73.30)

सोना	चांदी
8,997 रु.	98,863 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रंगे सियार

लटक रही तलवार आप पर,
रोज नया होता पंगा।
चाल सियासी चलते सारे,
करते हैं खुद को नंगा।
चाहे लड़ ले आपस में पर,
हाल सभी का है चंगा।
राजनीति के अमर कुण्ड में,

कांग्रेस ने मजाक उड़ाया, लेकिन

बोडो समझौते से असम में शांति स्थापित हुई : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोकराझार (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि जब भाजपा नीत सरकार ने बोडो समझौते पर हस्ताक्षर किए तो कांग्रेस ने उसका मजाक उड़ाया था, लेकिन इससे क्षेत्र में शांति स्थापित हुई और विकास को बल मिला।

शाह ने असम के कोकराझार में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएसयू) के 57वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र ने बोडोलैंड के विकास के लिए 1,500 करोड़ रुपए दिए हैं, जिसकी आबादी 35 लाख है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि बोडो समझौते के 82 प्रतिशत प्रावधानों का क्रियान्वयन हो चुका है तथा शेष प्रावधान अगले दो वर्षों में लागू कर दिए जाएंगे।

शाह ने बोडो युवाओं से 2036 के ओलंपिक खेलों की तैयारी शुरू करने का भी आह्वान किया, जिसका आयोजन गुजरात के अहमदाबाद शहर में प्रस्तावित है।

भाजपा नेता ने कहा कि बोडो युवा अब बंदूक के बजाय अपने हाथों में तिरंगा लेकर चलते हैं और यह जनवरी 2020 में शांति समझौते पर हस्ताक्षर के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा, ''यह क्षेत्र में शांति लाने में समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले एबीएसयू की भूमिका के कारण संभव हुआ है।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''कांग्रेस भले ही हम पर हंसी हो कि बीटीआर में शांति नहीं होगी, लेकिन बोडो समझौते के 82 प्रतिशत प्रावधानों को लागू किया जा चुका है और अगले दो वर्षों में 100 प्रतिशत प्रावधानों को पूरा कर लिया जाएगा।''

ग्वालियर के अस्पताल में लगी आग, 190 से ज्यादा मरीजों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में एक सरकारी अस्पताल में शनिवार देर रात आग लग गई, जिसके बाद 190 से अधिक मरीजों को अस्पताल से बचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

ग्वालियर की जिलाधिकारी रुचिका चौहान ने बताया कि आग रात करीब एक बजे कमला राजा अस्पताल के स्त्री रोग विभाग की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) के एयर कंडीशनर में लगी। यह अस्पताल गजरा राजा मेडिकल कॉलेज का हिस्सा है।

अधिकारियों ने बताया कि आईसीयू से 13 मरीजों समेत 190 से अधिक मरीजों को बचा लिया गया और दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

चौहान ने बताया कि अस्पताल के गार्डों ने तत्काल आईसीयू में भर्ती मरीजों को खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला और उन्हें सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि अस्पताल के गार्डों ने तत्काल आईसीयू में भर्ती मरीजों को खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला और उन्हें सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि अस्पताल के आईसीयू और अन्य वार्डों के सभी मरीज सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जाएगी।

राज्य के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कमला राजा अस्पताल के स्त्री रोग विभाग में आग लगने का कारण संभवतः शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

नासा के फंसे हुए अंतरिक्ष यात्रियों ने नए दल का अंतरिक्ष स्टेशन में स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केप कैनवेरल/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लंबे समय से फंसे अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए एक दिन पहले रवाना हुआ 'स्पेसएक्स' का यान रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया।

इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे चार नए अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, जापान और रूस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे कुछ दिन विलियम्स और विल्मोर से स्टेशन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

माना जा रहा है कि अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा। विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नए दल में नासा से ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं। वे दोनों सैन्य पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों विमानन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं।

'पाकिस्तान ने शांति के हर प्रयास का जवाब शत्रुता और विश्वासघात से दिया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत की तरफ से शांति के हर प्रयास का जवाब पाकिस्तान ने शत्रुता और विश्वासघात से दिया और उम्मीद जताई कि उसे सद्बुद्धि आएगी और वह शांति का मार्ग अपनाएगा।

लेक्स फ्रीडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय वैदिक संतों और स्वामी विवेकानंद ने जो कुछ भी सिखाया है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी वही सिखाता है। उन्होंने कहा, ''मैंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान को आमंत्रित किया था, लेकिन शांति के हर प्रयास का जवाब शत्रुता और विश्वासघात से मिला। हम पूरी उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान को सद्बुद्धि आएगी और वह शांति का मार्ग अपनाएगा।''

मोदी ने कहा कि उनका मानना है कि पाकिस्तान के लोग भी शांति चाहते हैं क्योंकि वे भी संघर्ष, अशांति और निरंतर आतंक में रहते हुए थक गए होंगे, जहां मासूम बच्चे भी मारे जाते हैं और अनगिनत जिंदगियां बर्बाद हो जाती हैं।

रूस-यूक्रेन संघर्ष तभी सुलझेगा जब दोनों पक्ष वार्ता करेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष कभी भी युद्ध के मैदान में नहीं सुलझ सकता और इसका समाधान तभी होगा जब दोनों पक्ष वार्ता की मेज पर बैठेंगे। अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में मोदी ने स्पष्ट किया कि इस संघर्ष में भारत तटस्थ नहीं है बल्कि शांति के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ अपने अच्छे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि वह रूस से आग्रह कर सकते हैं कि युद्ध समाधान नहीं है और यूक्रेन को याद दिला सकते हैं कि युद्ध के मैदान से कभी समाधान नहीं निकलता। उन्होंने कहा, ''रूस और यूक्रेन के साथ मेरे एक जैसे करीबी संबंध हैं। मैं राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठ सकता हूं और कह सकता हूं कि यह युद्ध का समय नहीं है। और मैं राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को दोस्ताना तरीके से यह भी बता सकता हूं कि भाई, दुनिया में चाहे जितने भी लोग आपके साथ खड़े हों, युद्ध के मैदान में कभी कोई समाधान नहीं निकलेगा।''

मानव कल्पनाशीलता की जगह नहीं ले सकती एआई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शक्तिशाली है, लेकिन यह कभी भी मानव कल्पनाशीलता की जगह नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि दुनिया चाहे एआई के साथ कुछ भी कर ले, लेकिन भारत के बिना यह अधूरी रहेगी। रविवार को लेक्स फ्रीडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में मोदी ने कहा कि वास्तविक मानवीय बुद्धिमत्ता के बिना, कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) विकसित नहीं हो सकती या स्थायी रूप से प्रगति नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री ने कहा, यह सही है कि हर युग में प्रौद्योगिकी और मानवता के बीच प्रतिस्पर्धा का माहौल बना। कई बार इसे संघर्ष के रूप में भी चित्रित किया गया। अक्सर ऐसा दर्शाया गया, मानो प्रौद्योगिकी मानव अस्तित्व को ही चुनौती दे देगी। उन्होंने कहा, लेकिन हर बार, जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ी, मनुष्य ने खुद को (उसके मुताबिक) ढाल लिया और एक कदम आगे रहा। हमेशा से ऐसा ही होता आया है। आखिरकार, यह मनुष्य ही है जो अपने लाभ के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के सर्वोत्तम तरीके खोजता है। मोदी ने यह भी कहा कि उनका मानना है कि एआई के साथ, मनुष्य अब यह सोचने के लिए मजबूर हो रहा है कि मानव होने का सही अर्थ क्या है। उन्होंने कहा, यह एआई की असली ताकत है। एआई के काम करने के तरीके की वजह से, इसने हमारे काम को देखने के तरीके को चुनौती दी है। लेकिन मानवीय कल्पना ही ईंधन है।

पाकिस्तान को चीन ने दूसरी पनडुब्बी सौंपी

बीजिंग/भाषा। चीन ने अरब सागर में भारत के करीब हिंद महासागर में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने की रणनीति के तहत पाकिस्तानी नौसेना को मजबूत करने की कोशिश कर रही है और इसी कड़ी में अत्याधुनिक हथियारों और संवेदकों से लैस दूसरी पनडुब्बी की आपूर्ति की है। चीन के आधिकारिक मीडिया ने रविवार को बताया कि हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, को चीन के हुबेई प्रांत के वुहान में जलावतरण किया गया। यह पाकिस्तान को करीब पांच अरब डॉलर के सौदे के तहत दी गई आठ ऐसी पनडुब्बियों में शामिल है। यह उन चार आधुनिक नौसैनिक 'फ्रिगेट' के अतिरिक्त है, जो चीन ने पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान को सौंपे हैं। यह आपूर्ति पाकिस्तान की नौसैनिक ताकत को बढ़ाने के प्रयासों के तहत की गई है। अरब सागर में चीनी नौसेना का लगातार विस्तार हो रहा है। वह बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ-साथ हिंद महासागर में भी अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। एक चीनी विशेषज्ञ ने सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को बताया कि नई पनडुब्बी में मजबूत व्यापक युद्ध क्षमता है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों के लिए वांछित लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर की पाकिस्तान में हत्या

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर में कई घातक आतंकी हमलों के लिए वांछित लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर की पाकिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने पड़ोसी देश से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि जिया-उर-रहमान उर्फ नदीम उर्फ अबू कतल उर्फ कतल सिंधी की शनिवार शाम पंजाब प्रांत के झेलम इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि बंदूकधारियों ने रहमान के सुरक्षा गार्ड की भी हत्या कर दी।

रहमान को लश्कर संस्थापक हाफिज सईद का भरोसेमंद सहयोगी माना जाता था। वह जम्मू-कश्मीर के पूंछ-राजौरी क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था।

अधिकारियों के मुताबिक, रहमान ने वर्ष 2000 की शुरुआत में जम्मू क्षेत्र में घुसपैठ की थी और 2005 में वापस पाकिस्तान चला गया था।

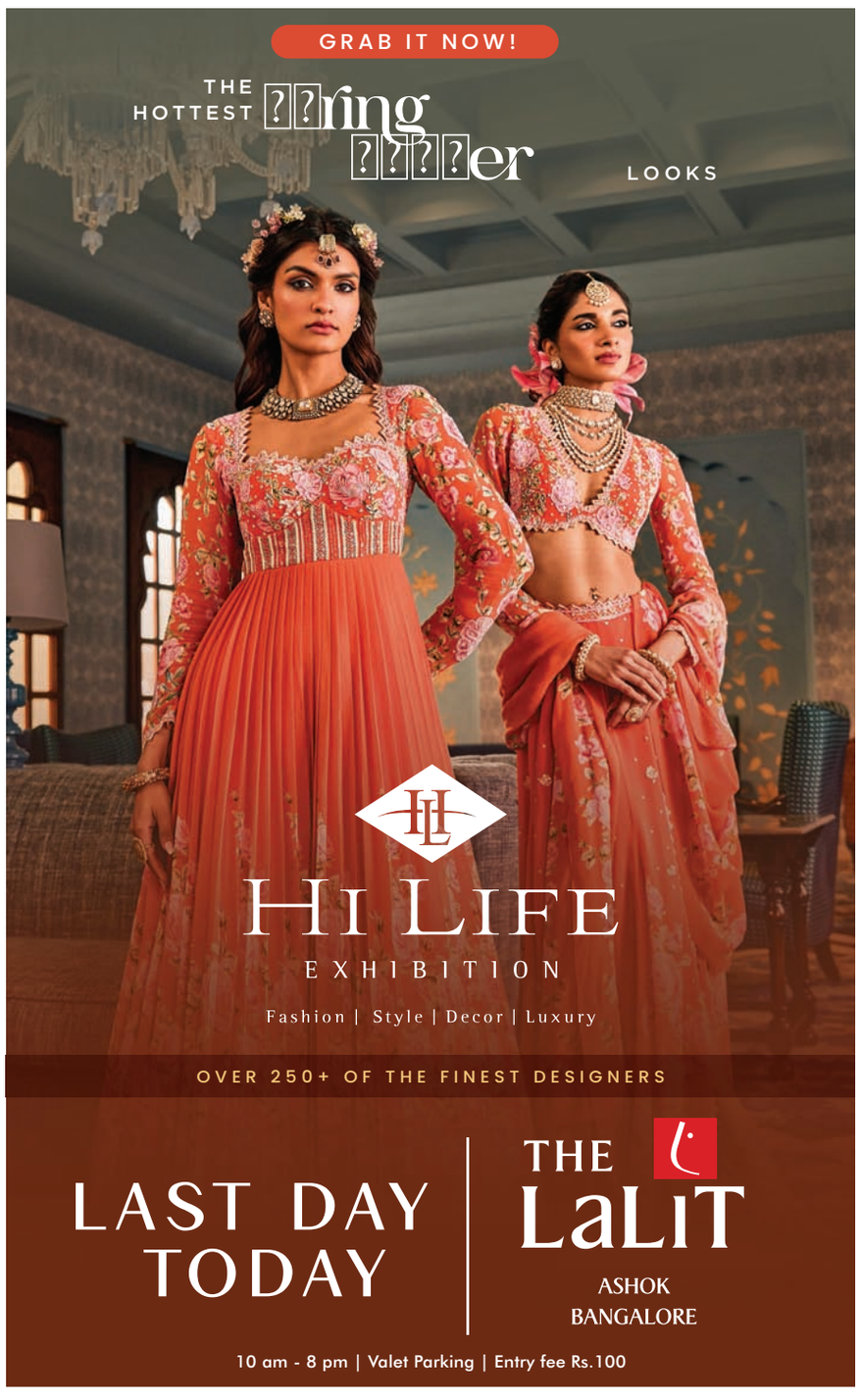

लोक सेवाओं और सुविधाओं का बेहतर प्रबन्धन करें : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर एवं फलोदी जिलों की जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की वर्ष 2024-25 त्रैमास की संयुक्त बैठक केन्द्रीय पर्यटन एवं सस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में रविवार को महिला पोलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित हुई। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने बैठक में जोधपुर एवं फलोदी जिले में संचालित केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, परियोजनाओं, अभियानों सहित लोक कल्याण एवं सामुदायिक विकास की गतिविधियों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा एवं समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

शेखावत ने जोधपुर एवं फलोदी जिलों में पेयजल प्रबन्धन गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि नहरबन्दी तथा ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत आगामी चार माह में पेयजल उपलब्धता के लिए उपयुक्त कंटीन्जेन्सी प्लान के अनुरूप निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य किया जाए।

शेखावत ने जल जीवन मिशन से संबंधित विभिन्न विषयों के निस्तारण को दृष्टिगत रखते हुए समुचित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बंद पड़े हैंड पम्पों तथा ट्यूबवेल्स को युद्धस्तर पर सुचारू करने के लिए जनता जल योजना अंतर्गत कारगर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि हर क्षेत्र में इस प्रकार से व्यवस्था सुनिश्चित करें कि गर्मियों के दिनों तथा नहरबन्दी के समय पेयजल वितरण में किसी भी प्रकार की दिक्कतें सामने न आएं।

शेखावत ने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से कहा कि पेयजल से संबंधित तमाम गतिविधियों और योजनाओं की माइक्रो लेवल पर समीक्षा करें और गत वर्ष के अनुभवों को ध्यान में रखकर बेहतर प्रबन्धन तंत्र विकसित करें। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि कंटीन्जेंसी प्लान के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मार्च माह के अन्त तक सभी अधिकारियों के साथ पारस्परिक समन्वय स्थापित कर कार्यवाही करें। इसके उपरान्त समीक्षा बैठक आयोजित कर इनकी समीक्षा की जाएगी।

शेखावत ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागीय अधिकारियों से कहा कि आगामी तीन महीने में टीबी रोगियों तथा निक्षय मित्र के गैप को खत्म करते हुए जोधपुर और फलोदी में निक्षय मित्र योजना अंतर्गत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करें।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिलों में आ रहे मौसमी बीमारियों एवं वायरल केसेस पर विस्तृत चर्चा की और हर स्तर पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने नगर निगम आयुक्त को शहर के सीवरेज तंत्र के सुधार, साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा अतिक्रमण को रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय रखकर योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें और जनता से जुड़ी परियोजनाओं को तय समयावधि में पूरा करें। पाली सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास और कृषक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि कृषि क्षेत्र में सुधार और आधुनिक तकनीक के उपयोग से किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में जिला कलक्टर एवं जिला विकास समन्वय व निगरानी समिति (दिशा) जोधपुर के सदस्य सचिव गौरव अग्रवाल और फलोदी के जिला कलेक्टर हरजीलाल अटल ने अपने-अपने जिलों में संचालित विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, पाली सांसद पी पी चौधरी, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, बिलाड़ा विधायक अर्जुनराम गर्ग, भोपालगढ़ विधायक श्रीमती गीता बरबड़, जिला कलेक्टर जोधपुर गौरव अग्रवाल, जिला कलक्टर फलोदी हरजीलाल अटल, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, जोधपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त उत्साह चौधरी, नगर निगम (उत्तर-दक्षिण) आयुक्त सिद्धार्थ पालानीचामी, पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजऋषि वर्मा, पुलिस अधीक्षक श्रीमती पूजा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं जोधपुर व फलोदी के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप के वंशज अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

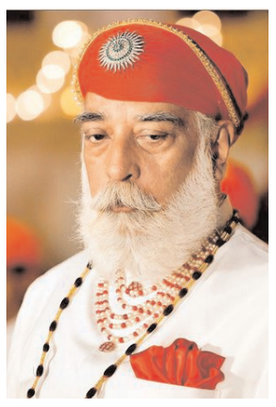

जयपुर। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और एचआरएच होटल समूह के अध्यक्ष अरविंद सिंह मेवाड़ का उदयपुर में लंबी बीमारी के बाद रविवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। परिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। मेवाड़, राजा महाराणा प्रताप के वंशज थे और लंबे समय से बीमार थे। उदयपुर स्थित उनके निवास 'सिटी पैलेस' में उनका इलाज हो रहा था। उनके परिवार में पत्नी विजयराज कुमारी, बेटा लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और बेटियां भार्गवी कुमारी मेवाड़ और पद्मजा कुमारी परमार हैं।उनका अंतिम संस्कार सोमवार को होगा। उदयपुर सिटी पैलेस रविवार और सोमवार को पर्यटकों के लिए बंद रहेगा।

वह भगवंत सिंह मेवाड़ और सुशीला कुमारी के छोटे बेटे थे। उनके बड़े भाई महेंद्र सिंह मेवाड़ का पिछले साल नवंबर में निधन हो गया था। अरविंद सिंह मेवाड़ की शिक्षा दीक्षा अजमेर के मेयो कॉलेज में हुई और उन्होंने उदयपुर से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। मेवाड़ ने ब्रिटेन से 'होटल मैनेजमेंट' की पढ़ाई की थी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय होटलों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वह एचआरएच ग्रुप ऑफ़ होटल्स का निर्माण करने से पहले कई वर्षों तक शिकागो में रहे और काम किया। वह क्रिकेट, पोलो और संगीत प्रेमी थे। मेवाड़ ने 1945-46 में राजस्थान के कप्तान के रूप में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण किया और उनका एक क्रिकेटर के रूप में लगभग दो दशक तक शानदार करियर रहा। वे 1970 के दशक में पोलो खिलाड़ी थे, लेकिन चिकित्सा कारणों से उन्होंने खेल छोड़ दिया।

इंग्लैंड में पेशेवर पोलो के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए, उन्होंने कैम्ब्रिज में 'उदयपुर कप' और न्यूमार्केट पोलो क्लब की स्थापना की। उदयपुर में 'मेवाड़ पोलो' का गठन एक पोलो टीम के रूप में किया गया था, जिसमें पेशेवर खिलाड़ी शामिल थे जिन्हें भारतीय प्रतियोगिताओं के लिए विशेष रूप से चुना गया था और प्रशिक्षित किया गया था। 'मेवाड़ पोलो' टीम ने 1991 में 61वें 'कैवेलरी' खिलाड़ियों को हराकर प्रतिष्ठित प्रेसिडेंट कप जीता। वह एक उत्साही पायलट भी थे और उन्होंने माइक्रोलाइट विमान से पूरे भारत में एकल उड़ान भरी थी।

मेवाड़ उदयपुर के महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष और प्रबंध न्यासी थे। उन्होंने अन्य ट्रस्टों का भी नेतृत्व किया। उनके पिता भगवंत सिंह मेवाड़ की मृत्यु के बाद से, मेवाड़ घराने के नेतृत्व और संपत्ति को लेकर उनके वंशजों के बीच संघर्ष और मतभेद रहे। दरअसल भगवंत सिंह ने एक ट्रस्ट के माध्यम से अपनी संपत्ति अरविंद को दे दी थी, उन्हें अपना उत्तराधिकारी नामित किया था और अपने सबसे बड़े बेटे महेंद्र सिंह मेवाड़ को विरासत से वंचित कर दिया, क्योंकि उन्होंने उनके खिलाफ मुकदमा दायर किया था।

वर्ष 1984 में अपने पिता की मृत्यु के बाद अरविंद ने घर का नेतृत्व संभाला। लेकिन बड़े बेटे होने के नाते महेंद्र सिंह मेवाड़ को परिवार के नाममात्र के मुखिया के रूप में ताज पहनाया गया। महेंद्र सिंह मेवाड़ का पिछले साल नवंबर में निधन हो गया और उनके बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़, जो भाजपा के विधायक भी हैं को परिवार का नाममात्र का मुखिया बनाया गया। विवाद तब शुरू हुआ जब विश्वराज सिंह को उनके चचेरे भाई और अरविंद सिंह मेवाड़ के बेटे लक्ष्यराज सिंह ने उदयपुर के सिटी पैलेस में अनुष्ठान पूरा करने के लिए प्रवेश नहीं करने दिया। हालांकि, बाद में गतिरोध तब खत्म हुआ जब भाजपा विधायक विश्वराज सिंह को आखिरकार सिटी पैलेस में प्रवेश करने की अनुमति दी गई ताकि वे देवता की पूजा करने के लिए 'धूनी' (पवित्र अग्नि) पर जा सकें।

शुभकामनाएं

जयपुर में रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में जनता को गुलाल लगाकर पारंपरिक उल्लास के साथ रंगों के महोत्सव होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से रविवार को राजभवन में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार मुलाकात थी। दोनों ने इस दौरान जैविक खेती और कृषि विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर संवाद किया।

ग्राम पंचायत स्तर पर भी खोले जाएंगे सार्वजनिक पुस्तकालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में ग्राम पंचायत स्तर पर भी सार्वजनिक पुस्तकालय खोले जाएंगे, जिसकी शुरुआत भरतपुर व जोधपुर जिले से होगी। शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, शिक्षा विभाग के सचिव (शासन) कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में हुई राज्य पुस्तकालय समिति की बैठक में राज्य में सार्वजनिक पुस्तकालयों के विकास एवं सुदृढीकरण के लिए राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान (कोलकाता) द्वारा दी जा रही सहायता के अन्तर्गत प्रदेश में अब ग्राम पंचायत स्तर पर भी सार्वजनिक पुस्तकालय शुरू किए जाने का अहम फैसला लिया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में भरतपुर और जोधपुर जिले में 50-50 सार्वजनिक ग्राम पंचायत पुस्तकालय खोले जाने हैं, जो ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सरकारी भवन में शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि इन पुस्ताकलयों में 20 विद्यार्थियों के बैठने, कम्प्यूटर और चरित्र निर्माण व कैरियर मार्गदर्शन का साहित्य उपलब्ध करवाया जाएगा।

राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान के महानिदेशक डॉ. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि अगले चरण में राजस्थान के सभी जिलों की ग्राम पंचायत स्तर तक इन पुस्तकालयों को खोलने की योजना बनाई जायेगी। बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों के भवन निर्माण, विस्तार, फर्नीचर एवं राज्य व मण्डल स्तरीय संगोष्ठी पर प्रतिष्ठान की योजना और आर्थिक सहायता पर भी चर्चा हुई। अधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत प्रतिष्ठान द्वारा राज्य को कुल 3.42 करोड़ रुपए की सहायता स्वीकृत की गई, जिसमें राज्यांश के रूप में 1.37 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।

जंगल में एक ही फंदे पर लटके मिले युवक, युवती के शव

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया थाना क्षेत्र में रविवार को जंगल में मध्यप्रदेश निवासी युवक युवती के शव पेड़ पर लटके मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रूपाजी का खेड़ा गांव में आसावरामतजी रोड पर जंगल में सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक पेड़ पर युवक युवत के शव लटके हैं। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां पेड़ पर एक ही साड़ी से युवक और युवती के शव लटके मिले। पुलिस ने बताया कि युवक के शव से मिले मोबाइल पर कॉल आने पर उसकी शिनाख्त मंदसौर जिले के कमालपुर निवासी कमल पुत्र माली के रूप में हुई। दोनों ने फंदा एक ही साड़ी से लगाया था। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव उतरवाकर मंडफिया चिकित्सालय भिजवाये। उनके परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम किया जायेगा।

तलाशी के दौरान युवक की जेब से एक पर्ची भी मिली है। इसमें सामने आया कि दोनों मंडफिया कस्बे में स्थित एक गेस्ट हाउस में भी शनिवार को रुके थे। आशंका है कि दोनों रात को पैदल इस मार्ग पर आए और आत्महत्या कर ली।

'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू करने के लिए कृत संकल्पित है केंद्र : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू करने के लिए कृत संकल्पित है। मेघवाल यहां एक निजी विश्वविद्यालय के नये अकादमिक खंड का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' लागू करने के लिए कृत संकल्पित है। वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे।

मेघवाल ने 'एक देश, एक चुनाव' को देशहित में बताया। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' को निर्वाचन आयोग, हमारी समितियों, नीति आयोग के समूह और फिर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी उच्च स्तरीय समिति ने अपनी सहमति दी है और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी इसे मंजूरी दे दी है। मंत्री ने कहा कि इस विधेयक को लोकसभा में पेश किया गया, जो अभी संयुक्त संसदीय समिति के पास विचाराधीन है और इस पर विभिन्न सामाजिक संगठनों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। कार्यक्रम से इतर मीडिया के एक सवाल के जवाब में मेघवाल ने कहा, कुछ ऐसे दल हैं, जो तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं... प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तुष्टिकरण के बजाय संतुष्टिकरण पर बल देते हैं।

महिला तस्कर स्मैक के साथ गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ के निर्देशानुसार, शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन स्वीप चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जयपुर पूर्व जिले में पुलिस उपायुक्त तेजस्वनी गौतम के निर्देशन में एक विशेष कार्रवाई को अंजाम दिया गया। 13 मार्च 2025 को पुलिस को विशेष सूचना मिली कि एक महिला स्कूटी से स्मैक की सप्लाई करने जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशाराम चौधरी व सहायक पुलिस आयुक्त आदर्श नगर लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में जवाहर नगर थाना प्रभारी महेश चंद्र के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम के सदस्य कांस्टेबल अशोक कुमार (9462) और धर्मपाल (12592) को मुखबिर से इनपुट मिला कि महिला टीला नंबर 01 पर स्मैक की सप्लाई करने वाली है। टीम ने तुरंत घेराबंदी कर संदिग्ध महिला को रोका और उसकी तलाशी ली तलाशी के दौरान आरोपी महिला अनिता सांसी के कब्जे से 8.23 ग्राम स्मैक बरामद हुई। साथ ही, स्मैक की तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 व 8/25 के तहत मामला दर्ज किया है । जयपुर पुलिस की यह कार्रवाई ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत की गई, जिसका उद्देश्य शहर में नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करना है। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने साफ कहा है कि इस तरह के अपराधों में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

बच्चे की हत्या के मामले में मां गिरफ्तार

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले के डबोक थाना क्षेत्र में पुलिस ने चार वर्ष के बच्चे को कुंए में फेंककर हत्या करने के मामले का खुलासा करते हुए मृतक की मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि पारिवारिक कलह के चलते मृतक बालक की मां ने लीला ने ही बालक को कुंए में फेंक दिया था। पुलिस ने बताया कि दरोली गांव के मोहन गाडरी ने नौ मार्च को अपने पुत्र के कुंए में गिरने की रिपोर्ट दी कि उसकी पत्नी लीला करीब तीन महीने पहले झगड़ा करके अपने पीहर चली गई थी। करीब आठ दिन पहले ही घर लौटी थी। आठ मार्च को उसका पुत्र किशन का लापता हो गया जिसका शव शाम को कुंए में मिला। पुलिस ने बताया कि शुरु में पुलिस ने इसे दुर्घटनावश मौत होना मानते हुए मर्ग दर्ज की थी, लेकिन पुलिस ने गहराई से जांच की तो मामला संदिग्ध लगा। इस पर पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में गठित दल ने कड़ी से कड़ी मिलाते हुए बालक की हत्या के आरोप में लीला को गहन पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

मेवाड़ की विरासत को आगे बढ़ाने में अरविंद सिंह ने निभाई अहम भूमिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मेवाड़ के पूर्व राजघराने के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर दुख जताया है। सीएम ने कहा कि उन्होंने मेवाड़ की वैभवशाली विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, विधायक रविंद्र सिंह भाटी, राज्य सरकार में मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भी अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर दुख जताया है। मेवाड़ के पूर्व राजघराने के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ (81) का रविवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने शंभू निवास में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उदयपुर स्थित उनके आवास पर उनका इलाज किया जा रहा था। अरविंद सिंह मेवाड़ के बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि सोमवार को उनका अंतिम संस्कार होगा। अंतिम संस्कार में देश-विदेश के बड़े लोगों के पहुंचने की संभावना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन अत्यंत दुखद है। उन्होंने मेवाड़ की वैभवशाली विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व और अनुकरणीय चरित्र भावी पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे तथा शोकाकुल परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। वसुंधरा राजे ने एक्स पर लिखा, महाराज अरविंद सिंह मेवाड़ के

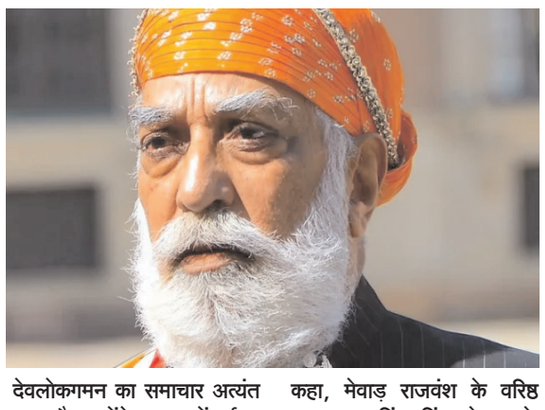

देवलोकगमन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने उदयपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पर्यटन के क्षेत्र में उन्होंने जो प्रयास किए वह सदैव याद रहेंगे। शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वह दिवंगत की आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन घड़ी में संबल प्रदान करें।विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा, मेवाड़ राजवंश के वरिष्ठ सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। वह न केवल मेवाड़ की शान थे, बल्कि अपने प्रयासों से उदयपुर को पर्यटन के मानचित्र पर एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सेवाएं और योगदान सदैव स्मरणीय रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति दें।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने एक्स पर अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा, मेवाड़ राजवंश के वरिष्ठ सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन अत्यंत दुखद है। उनकी सेवाएं और योगदान सदैव स्मरणीय रहेंगे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा, उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दे एवं परिजनों को यह दुख सहन करने की हिम्मत प्रदान करे। उल्लेखनीय है कि अरविंद सिंह मेवाड़ भगवंत सिंह मेवाड़ और सुशीला कुमारी के बेटे थे।

भाजपा को ईसाई, मुस्लिम समुदाय के लोगों को केंद्रीय मंत्री बनाना चाहिए : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण लागू करने के फैसले का बचाव करते हुए इसका विरोध करने के लिए रविवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस सरकार सभी नागरिकों के बारे में सोचती है। शिवकुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ईसाई और मुस्लिम समुदायों के लोगों को विधायक, राज्यसभा सदस्य या केंद्रीय मंत्री बनाना चाहिए।

शिवकुमार ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के 'एक्स' पर किए गए पोस्ट के जवाब में यह बात कही। विजयेंद्र ने सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' और 'सरकारी जिहाद' करार देते हुए कहा कि भाजपा राज्य विधानमंडल के अंदर और बाहर दोनों जगह इसका विरोध करेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस की यह सरकार बिना किसी विकास के एक 'कागजी शेर' बन गई है और केवल अल्पसंख्यक तुष्टीकरण पर केंद्रित है। शिवकुमार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चाहे वे मुसलमान हों या ईसाई या सिख या बौद्ध, सभी देश और कर्नाटक राज्य के नागरिक हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''हम सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों के बारे में सोचते हैं। वह (विजयेंद्र) समानता की बात कर रहे हैं। उन्हें या उनकी पार्टी को अल्पसंख्यकों को विधान परिषद सदस्य या राज्यसभा सदस्य या केंद्र सरकार में मंत्री बनाना चाहिए।'' शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा को एक-दो ईसाइयों या मुसलमानों को ऐसे पद देने दीजिए, फिर विजयेंद्र को समान हिस्सेदारी और सभी के लिए आजीविका के बारे में बोलने का अधिकार होगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''उन्हें (विजयेंद्र) कुवेम्पु द्वारा लिखा गया राज्य का गीत ठीक से पढ़ना चाहिए कि कौन-कौन शांति का बगीचा बनाएगा। अब वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बन गए हैं, उन्हें अपना स्तर बनाए रखना चाहिए।''

मंड्या में संदिग्ध खाद्य विषाक्तता मामले में एक छात्र की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। मंड्या जिले में खाद्य विषाक्तता के एक संदिग्ध मामले में 13 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गयी जबकि 28 अन्य छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये सभी छात्र एक निजी स्कूल द्वारा संचालित अवैध छात्रावास में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, इन सभी ने होली समारोह के लिए तैयार किया गया भोजन खाने के बाद पेट दर्द की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान केरलोंग के रूप में हुई है और वह मेघालय का रहने वाला था।

पुलिस ने बताया कि यह घटना मांड्या जिले के मालवल्ली तालुका के टी कागेपुरा गांव में गोकुला विद्या संस्थान में घटी। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए पुलिस अधीक्षक (मांड्या) मल्लिकार्जुन बालादंडी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 1989 से संचालित हो रहे इस स्कूल के पास छात्रावास चलाने का लाइसेंस नहीं था।

प्रबंधन बच्चों के लिए शौचालय सहित उचित बुनियादी ढांचे के बिना स्कूल भवन की पहली मंजिल पर अवैध रूप से छात्रावास का संचालन कर रहा था। पुलिस ने बताया, हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 286 (जहरीले पदार्थ के संबंध में लापरवाही) और धारा 106 के तहत मामला दर्ज किया है।

आबादी के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय होगा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि यदि निर्वाचन क्षेत्रों की परिसीमन प्रक्रिया जनसंख्या पर आधारित होगी, तो यह दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय होगा, क्योंकि इससे लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। खरगे ने लोगों से इस 'अन्याय' के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व मंत्री स्वर्गीय केएच पाटिल के जन्मशती समारोह को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की आलोचना की और शिक्षा पर कथित रूप से कम जोर दिए जाने तथा शैक्षणिक संस्थानों में बड़ी संख्या में रिक्तियों पर चिंता जताई।

खरगे ने कहा, ''केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की बात करती है। अगर सहकारी संघवाद है, तो लोगों को वह धनराशि क्यों नहीं मिल रही, जिसके वे हकदार हैं? क्या कर्नाटक में सहकारी समितियों को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से वह धनराशि मिल रही है, जो उन्हें मिलनी चाहिए? इसमें 58 प्रतिशत की कमी आई है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कर्नाटक के लोगों से एकजुट होने और उनके साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''जब मुद्दा कर्नाटक और उसके विकास से संबंधित हो, तो सभी को एक सुर में बोलना चाहिए।''

खरगे ने कहा, ''जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की योजना बनाई जा रही है। इसके जरिये दक्षिण भारत में संसदीय और विधानसभा सीटों की संख्या कम करने का प्रयास किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि परिसीमन से उत्तरी राज्यों के प्रतिनिधित्व में 30 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''ऐसी खबरें सामने आ रही हैं और हमें इंतजार करना चाहिए तथा देखना चाहिए। यदि ऐसा होता है, तो यह अन्याय होगा। हमें इस अन्याय के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।''

खरगे ने केंद्र सरकार पर विभिन्न संस्थानों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा क्षेत्र को वह महत्व नहीं मिल रहा, जिसका वह हकदार है। उन्होंने शिक्षा के लिए केंद्रीय वित्त पोषण में कटौती का आरोप लगाते हुए कहा, नवोदय विद्यालय हों, केंद्रीय विद्यालय हों या विश्वविद्यालय हों, जितने रिक्त पद भरे जाने चाहिए, जितने शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए, उसके मुकाबले महज 50 प्रतिशत पदों पर ही भर्तियां हो रही हैं। खरगे ने सवाल किया, यदि केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान), आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) और केंद्रीय विद्यालयों में 50 प्रतिशत पद खाली रहेंगे, तो हमारे बच्चे कैसे पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे?

कर्नाटक में सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का विरोध करेगी भाजपा : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी सरकारी

अनुबंधों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण के कांग्रेस सरकार के प्रस्ताव का विरोध करेगी। विजयेंद्र ने सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' और 'सरकारी जिहाद' करार देते हुए कहा कि भाजपा राज्य विधानमंडल के अंदर और बाहर दोनों जगह इसका कड़ा विरोध करेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस की यह सरकार बिना किसी विकास के एक 'कागजी शेर' बन गई है और केवल अल्पसंख्यक तुष्टीकरण पर केंद्रित है। विजयेंद्र ने कहा, हाल ही में सात मार्च को पेश किए गए अपने 16वें बजट में मुख्यमंत्री ने सरकारी अनुबंधों में मुस्लिम ठेकेदारों को चार प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की है। शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय भी लिया गया है। यह निर्णय असंवैधानिक है। '' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई उल्लेख नहीं है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, सरकार का यह निर्णय धर्मों के बीच दरार या विभाजन अथवा खाई पैदा करने की साजिश है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री इसमें शामिल हैं। भाजपा इस तुष्टिकरण की राजनीति की कड़ी निंदा करती है, पार्टी राज्य विधानसभा के अंदर और बाहर सरकार के इस अलोकतांत्रिक रुख के खिलाफ लड़ेगी और इसका विरोध करेगी।'' राज्य मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिसके तहत दो करोड़ रुपये तक के (सिविल) कार्यों के चार प्रतिशत ठेके तथा एक करोड़ रुपये तक के माल/सेवाओं के ठेकों को मुसलमानों के लिए आरक्षित कर दिया गया।

कर्नाटक में माहौल भाजपा के पक्ष में, सत्ता में जल्द होगी वापसी : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बीएस येडीयुरप्पा ने रविवार को भरोसा जताया कि कर्नाटक में भाजपा आने वाले दिनों में सत्ता में वापसी करेगी, क्योंकि राज्य का माहौल पार्टी के पक्ष में है।

भाजपा की कर्नाटक इकाई में बढ़ती गुटबाजी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी के सभी सदस्यों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा के लिए माहौल बहुत अनुकूल है और मुझे शत-प्रतिशत यकीन है कि हम आने वाले दिनों में कर्नाटक में सत्ता में वापसी करेंगे। हम सब मिलकर इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।

येडीयुरप्पा ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, कोई सुझाव देने का सवाल ही नहीं उठता है, सबको हर हाल में मिलकर काम करना होगा। कर्नाटक भाजपा में गुटबाजी खुलकर सामने आई है, क्योंकि

बीजापुर शहर से विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और गोकक से विधायक रमेश जरकीहोली के नेतृत्व में पार्टी का एक धड़ा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है।

यतनाल और जरकीहोली ने विजयेंद्र की खुलेआम आलोचना करते हुए उन पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ सुविधा की राजनीति करने का आरोप लगाया है। दोनों नेताओं ने विजयेंद्र और उनके पिता येडीयुरप्पा पर पार्टी को अपने चंगुल में रखने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है। हालांकि, येडीयुरप्पा ने यतनाल से जुड़े सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया।

विकास की कमी और गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चिंता जताते हुए कांग्रेस सरकार को दिए गए सुझावों के बारे में पूछे गए सवाल पर येडीयुरप्पा ने कहा, इन गारंटियों का कोई मतलब नहीं है। लोगों को खुश करने के लिए इनकी घोषणा की गई थी, लेकिन इन्हें ठीक से लागू नहीं किया गया। यह (सरकार) एक तरह से तुगलक दरबार है। देखते हैं कि वे कब तक इस तरह से सरकार चलाएंगे।

येडीयुरप्पा के मुख्यमंत्री कार्यकाल की तुलना में मौजूदा सरकार के बजट में उत्तर कर्नाटक के साथ अन्याय होने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह एक तथ्य है, जो सभी को पता है।

होली मनाने को लेकर दो नेपाली समूहों में झड़प, तीन गिरफ्तार

बेंगलूरु /दक्षिण भारत। लालबाग बॉटेनिकल गार्डन में होली मनाते समय नेपाली नागरिकों के दो समूहों के बीच कथित तौर पर झड़प के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि झड़प की वजह से आगंतुकों में दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम को लालबाग रॉक के भूवैज्ञानिक स्मारक के ऊपर घटित हुई। सिद्धपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में घटित इस घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और कई लोगों ने सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। घटना के बाद स्थानीय लोग रविवार को सिद्धपुरा पुलिस थाने के बाहर जमा हो गए और सभी दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस के आश्वासन के बाद वे वहां से चले गए। पुलिस के अनुसार, दो समूह एक-दूसरे पर रंग फेंककर होली खेल रहे थे तभी अचानक उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि झगड़े का कारण पता नहीं चल पाया है।

अगर बच्चे अपने माता-पिता को अस्पताल में छोड़ते हैं तो उन्हें माता पिता की संपति ना दी जाए : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने रविवार को कहा कि अगर बच्चों ने अपने बुजुर्ग माता-पिता को अस्पतालों में छोड़ दिया है, तो उनकी संपत्ति का हस्तांतरण और वसीयत रद्द कर दी जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि यह समस्या तब सामने आती है जब बुजुर्ग अपनी संपत्ति बच्चों के नाम पर कर देते हैं, और फिर बच्चे उन्हें अस्पतालों में छोड़कर चले जाते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, एक गंभीर और अमानवीय घटना सामने आई है, जिसमें कई बुजुर्ग माता-पिताओं को उनके बच्चे सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में छोड़ आते हैं। यह अक्सर तब होता है जब बुजुर्ग अपनी संपत्ति बच्चों के

नाम कर देते हैं।

मंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, बेलगावी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (बीआईएमएस) में अकेले 150 से ज्यादा बुजुर्गों को छोड़ने के मामले सामने आए हैं जबकि राज्य के अन्य मेडिकल संस्थानों में 100 से ज्यादा ऐसे ही मामले देखने को मिले हैं। हाल ही में हुई समीक्षा बैठक में बीआईएमएस के निदेशक ने चिकित्सा शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री शरण प्रकाश पाटिल के समक्ष यह मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री ने गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. बी.एल. सुजाता राठौड को निर्देश दिया कि वे सभी अस्पतालों और मेडिकल संस्थानों के प्रमुखों को इस बारे में सूचित करें और बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सहायक आयुक्तों (राजस्व उप-विभाग) के पास शिकायतें दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि जिन बुजुर्ग माता-पिता ने अपनी संपत्ति या वसीयत अपने बच्चों के नाम पर कर दी है और फिर उन्हें अस्पतालों में छोड़ दिया गया है, उन संपत्तियों और वसीयत को रद्द किया जाना चाहिए।

मंगलूरु पुलिस ने कर्नाटक में अब तक के सबसे बड़े मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक में मंगलूरु पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी मादक पदार्थ की बरामदगी करते हुए 75 करोड़ रुपये मूल्य का 37 किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले के सिलसिले में बेंगलुरू में दो दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

मंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह कार्रवाई छह महीने पहले हुई एक गिरफ्तारी से जुड़ी है। सितंबर में पुलिस ने मंगलूरु के पंपवेल में हैदर अली नामक व्यक्ति को पकड़ा था और उसके पास से 15 ग्राम मिथाइलीन डाइऑक्सी मेथैम्फेटामाइन (एमडीएमए) जब्त किया था। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, मंगलूरु पुलिस की अपराध शाखा ने 14 मार्च को बेंगलूरु पहुंचने पर दो दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों बंबा फैंट (31) और अबीगैल एडोनिस (30) को गिरफ्तार किया। संदिग्धों को बेंगलूरु के इलेक्ट्रॉनिक सिटी के नीलाद्री नगर से हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने उनके ट्रॉली बैग से एमडीएमए, चार मोबाइल फोन, पासपोर्ट और 18,000 रुपये नकद बरामद किए।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि मंगलूरु पुलिस का अभियान सराहनीय है, जिसमें राज्य के इतिहास में सबसे बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया तथा दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कन्नड़ भाषा में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''75 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का 37 किलोग्राम एमडीएमए जब्त करके, हमारी पुलिस ने एक बड़े खतरे को टाल दिया है, जो हजारों युवाओं के जीवन को खतरे में डाल सकता था।''

इसरो, एससीएल ने अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित किए

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र और सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल), चंडीगढ़ ने संयुक्त रूप से अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर - विक्रम 3201 और कल्पना 3201 - विकसित किए हैं। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने यह जानकारी दी। विक्रम 3201 पहला पूर्णतः भारत में निर्मित 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर है जो प्रक्षेपण यानों की कठोर पर्यावरणीय परिस्थितियों में उपयोग के लिए योग्य है। प्रोसेसर को एससीएल के 180एनएम (नैनोमीटर) सीएमओएस (पूरक धातु-ऑक्साइड-अर्धचालक) सेमीकंडक्टर फैब में निर्मित किया गया है। इसरो ने शनिवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि यह प्रोसेसर स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए 16-बिट विक्रम 1601 माइक्रोप्रोसेसर का उन्नत संस्करण है, जो 2009 से इसरो के प्रक्षेपण यानों की एवियोनिक्स प्रणाली में काम कर रहा है। बयान में कहा गया कि एससीएल में उन्नत 180एनएम सेमीकंडक्टर बनाने के बाद 2016 में विक्रम 1601 प्रोसेसर का 'मेक-इन-इंडिया' संस्करण शामिल किया गया था।

बुजुर्ग ससुराल वालों पर हमला करने के आरोप में चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने विक्टोरिया अस्पताल की एक चिकित्सक को अपने बुजुर्ग ससुराल वालों पर कथित रूप से हमला करने और उन्हें परेशान करने के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बेंगलूरु चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान (बीएमसीआरआई) की आपातकालीन चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियदर्शिनी का अपने बच्चों के साथ बुजुर्ग ससुराल वालों पर कथित तौर पर हमला करने का एक वीडियो हाल ही में वायरल हुआ था।

इसमें कहा गया है, रिपोर्ट से पता चलता है कि वह पिछले दस वर्षों से उन्हें परेशान कर रही थी। उसने पहले ही तलाक के लिए अर्जी दायर कर दी थी, लेकिन कथित तौर पर वह अपने ससुराल वालों के घर गई और उन पर शारीरिक हमला किया। इस घटना के संबंध में बेंगलूरु के एक पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामला 14 मार्च को तब प्रकाश में आया जब वीडियो वायरल हुआ। चिकित्सक के ससुर ने अन्नपूर्णेश्वरी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सक को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में उसी दिन जमानत पर रिहा कर दिया गया। चिकित्सा शिक्षा विभाग के बयान में कहा गया है, चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव मोहम्मद मोहसिन के निर्देश के बाद विक्टोरिया अस्पताल की डॉ. प्रियदर्शिनी को घटना के संबंध में लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा गया है, ऐसा न करने पर आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मोहसिन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इस तरह के व्यवहार से विभाग की बदनामी होती है। उन्होंने तत्काल चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) डॉ. सुजाता राठौड़ को डॉ. प्रियदर्शिनी को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

कर्नाटक में मुस्लिम ठेकेदारों को आरक्षण कांग्रेस के 'अनैतिक चरित्र' को दर्शाता है : मोहन यादव

बेंगलूरु/भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि कर्नाटक में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था वहां सत्तारूढ़ कांग्रेस के अनैतिक चरित्र का प्रतिबिंब है और यह कानून की कसौटी पर खरा नहीं उतरेगा। कर्नाटक की सिद्दरामय्या सरकार के मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसके तहत दो करोड़ रुपये तक के (सिविल) कार्यों के ठेके और एक करोड़ रुपये तक के माल/सेवाओं के ठेके का चार प्रतिशत मुसलमानों के लिए आरक्षित किया गया है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा शासकीय कार्यों में ठेकेदारों को धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था का प्रावधान करना अनुचित एवं निंदनीय है। लोकतांत्रिक देश में इस तरह किसी धर्म विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नियम-प्रावधान कैबिनेट से पास कर लागू करना, यही कांग्रेस का अनैतिक चरित्र है। उन्होंने कहा, दलित, पिछड़े और समाज के वंचित लोगों के उत्थान के लिए भाजपा सरकार निरन्तर काम कर रही है; जिससे सभी वर्गों को समाज में पूर्ण सम्मान और अधिकार मिल सके।

निर्माणाधीन अपार्टमेंट में तीन मजदूरों की हत्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के सरजापुर इलाके में 14 मंजिला एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट से तीन मजदूरों के शव बरामद किये गए हैं। आशंका है कि इनकी होली के जश्न के दौरान इनकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान बिहार के गोपालगंज निवासी राधे श्याम, दीपु और अंशु के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम को उस समय हुई जब पीड़ित आसपास के निर्माणाधीन स्थलों पर कार्यरत अन्य मजदूरों के साथ होली मना रहे थे। बेंगलूरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सी के बाबा ने कहा, हमें हत्या की सूचना मिली जिसके बाद हम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पीड़ित नल और निर्माण कार्य करते थे। होली के मद्देनजर निर्माण मजदूरों को तीन दिन की छुट्टी दी गई थी और निर्माणस्थल प्रभारी भी अवकाश पर था। उन्होंने बताया कि पीड़ितों ने होली के उपलक्ष्य में एक पार्टी का आयोजन किया था और पास के एक अन्य निर्माण स्थल के मजदूरों को भी आमंत्रित किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विवाद तब शुरू हुआ जब एक पीड़ित ने आरोपी की बहन का फोन कॉल उठा लिया। पीड़ित और आरोपी की बहन के बीच पहले से बातचीत होती थी जिससे आरोपी मजदूर नाराज था। इसको लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई जो बढ़ते-बढ़ते हिंसक झगड़े में तब्दील हो गई। मजदूरों ने एक-दूसरे पर बोतलों और लोहे की छड़ों से हमला कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि दो शव तीसरी मंजिल पर मिले जबकि तीसरा मजदूर घायल अवस्था में भूतल पर पाया गया। उसे एंबुलेंस में ले जाया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। एसपी बाबा ने कहा, ''हमने जांच के लिए टीम गठित की हैं और आरोपियों की पहचान कर ली है। कम से कम दो से तीन लोग इस घटना में शामिल थे। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।''

मुस्लिम ठेकेदारों के लिए आरक्षण तुष्टिकरण की 'पराकाष्ठा': छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का निर्णय ''तुष्टिकरण की पराकाष्ठा'' है और यह भारतीय संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। साय ने एक बयान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी सांसद राहुल गांधी से आग्रह किया कि वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को यह ''असंवैधानिक'' निर्णय तत्काल वापस लेने का निर्देश दें। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, वहां संविधान की मूल भावना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती है। सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम में संशोधन कर मुस्लिम ठेकेदारों को सरकारी निविदाओं में चार प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। साय ने कहा, यह समाज में वैमनस्य पैदा करने की कांग्रेस की एक सोची-समझी साजिश है।

सुविचार

जीवन की चुनौतियों से बचने की बजाए उनका निडर होकर सामना करने की हिम्मत मिले, इसकी प्रार्थना करनी चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बड़े धोखे हैं इस 'राह' में

उत्तर प्रदेश एटीएस ने हजरतपुर आयुध निर्माण इकाई में कार्यरत एक चार्जमैन को जिस तरह हनीट्रैप मामले में गिरफ्तार किया है, उससे उन लोगों को सबक लेना चाहिए, जो सोशल मीडिया पर बड़ी आसानी से किसी के भी 'दोस्त' बन जाते हैं। उक्त चार्जमैन कोई नौसिखिया नहीं था। वह साल 2009 से आयुध निर्माण इकाई में कार्यरत था। इस अवधि में देश की विभिन्न एजेंसियों ने पाकिस्तान द्वारा हनीट्रैप के कई मामले पकड़े थे। क्या इस शख्स को यह नहीं मालूम था कि देश की सुरक्षा से जुड़े स्थान दुश्मन के निशाने पर हैं? पिछले एक दशक में आईएसआई ने भारत के वैज्ञानिकों से लेकर सेना के कई अधिकारियों और जवानों तक को अपने जाल में फंसाने की कोशिशें की हैं। जो लोग सतर्क थे, वे उसके झांसे में नहीं आए, लेकिन कुछ लोग बड़ी आसानी से इस दलदल में धंसते गए। उन्होंने दो मीठे बोल सुनकर आईएसआई की 'हसीनाओं' के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। क्या ऐसे अधिकारी-कर्मचारी इतने मासूम होते हैं कि महज़ एक कॉल पर देश के राज़ दुश्मन को सौंप देते हैं? क्या इन्हें गोपनीयता की सुरक्षा के लिए उचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया था? अगर दिया गया था तो ऐसा कैसे संभव है कि ये सोशल मीडिया पर कुछ शब्दों की बातचीत में ही अपना दिल खोलकर रख देते हैं? ऐसे मामलों का बार-बार सामने आना यह दर्शाता है कि हमारे तंत्र में कुछ कमजोर कड़ियां जरूर हैं, जिन्हें दुश्मन एजेंसियां अपने मंसूबे पूरे करने के लिए इस्तेमाल कर रही हैं। इन कड़ियों का दुश्मन पता लगाए, ललचाए, लुभाए और अपने काम में लगाए, इससे पहले ही ऐसी व्यवस्था की जाए कि भारतीय एजेंसियां इन्हें चिह्नित करें और खतरे से सावधान कर दें।

अगर पिछले पांच वर्षों में सामने आए ऐसे मामलों का विश्लेषण करें तो इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि जो लोग 'शिकार' हुए, उनमें से ज्यादातर सोशल मीडिया पर सक्रिय थे। ताज्जुब की बात है कि भारतीय एजेंसियां कई बार यह नसीहत दे चुकी हैं कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों के साथ न जुड़ें, कोई भी संवेदनशील जानकारी साझा न करें, इसके बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित स्थानों पर तैनात कुछ लोग दरियादिली दिखाते हुए जानकारी साझा कर रहे हैं! ऐसे स्थानों पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर होना ही नहीं चाहिए। उनके परिजन को भी खास सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि जो तस्वीरें और जानकारियां वे साझा करेंगे, दुश्मन एजेंसियां उनका ग़लत इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। अब तक जो लोग हनीट्रैप के शिकार हुए, उनके पास या तो फ्रेंड रिक्वेस्ट आई या कॉल के जरिए संपर्क किया गया। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे शीशे में उतारा गया। कई बार मैसेज, ऑडियो कॉल, वीडियो कॉल करना, संवेदनशील जानकारी मांगना ... क्या ये बातें किसी विवेकशील मनुष्य के दिमाग में खतरे की घंटी बजाने के लिए काफी नहीं हैं? ऐसी क्या मजबूरी होती है कि वह व्यक्ति सख्ती से मना नहीं कर पाता? आईएसआई ने जिन महिलाओं को इस काम में लगा रखा है, उन्हें मैदान में उतारने से पहले काफी प्रशिक्षित किया जाता है। वे हिंदू रीति-रिवाज, पूजन पद्धति, पहनावे, भाषा और कई तरह की बातों का ध्यान रखती हैं, ताकि 'शिकार' को जरा भी शक न हो। जो एजेंट वीडियो कॉल करती है, उसके लिए सुंदरता अनिवार्य शर्त होती है। अगर किसी अधिकारी, कर्मचारी या आम नागरिक के पास ऐसा संदेश आता है तो उसे सबसे पहले खुद से यह सवाल पूछना चाहिए- 'मुझे यह क्यों भेजा गया है?' जब दोबारा संपर्क किया जाए तो पूछना चाहिए- 'मैं ही क्यों ... मुझमें ऐसा क्या है ... किसी अपरिचित महिला के पास इतना समय क्यों है कि वह बार-बार मुझसे संपर्क करे और मेरे काम में रुचि ले?' अक्लमंद इन्सान उसी समय सतर्क हो जाता है। इसके उलट, जो मधुर कल्पनाओं के वशीभूत होकर 'दोस्ती' बढ़ाता है, वह नुकसान ही उठाता है। अब सोशल मीडिया की राह बहुत रपटीली हो गई है। संभलकर चलें, बड़े धोखे हैं इस राह में!

ट्वीटर टॉक

मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के श्री अरविंद सिंह जी मेवाड़ का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्होंने मेवाड़ की वैभवशाली विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व और अनुकरणीय चरित्र भावी पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

प्रदेशभर में होली संपन्न कराने में पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही है, लेकिन अब अपनी लंबित मांगों को लेकर वे खुद होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं। प्रमोशन, भत्ता बढ़ाने, अवकाश, स्थानांतरण पॉलिसी आदि को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है।

-सचिन पायलट

माँ भारती की सेवा में अपना जीवन अर्पित करने वाले उत्कृष्ट सैन्य अधिकारी, देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल बिपिन रावत की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। भारतीय सेना के आधुनिकीकरण एवं सशक्तिकरण हेतु आपके द्वारा किए गए प्रयास अविस्मरणीय रहेंगे।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

मृदुभाषिता से स्वीकार्यता

राजा का पुत्र अत्यंत क्रोधी तथा अनाचारी था। राजा चिंतित रहते थे कि उनकी मृत्यु के बाद जब यह राजकुमार राजा बनेगा तो इसके गलत स्वभाव के कारण प्रजा पर क्या बीतेगी? राजा ने भगवान बुद्ध से अपनी इस चिंता की चर्चा की। बुद्ध बोले, 'राजन, तुम चिंता न करो, मैं राजकुमार को समझाऊंगा।' बुद्ध एक दिन राजकुमार के पास पहुंचे। बगिया में घूमते-घूमते उन्होंने नीम के पौधे की ओर संकेत करके कहा, 'वत्स! इसका पत्ता चखकर बताओ, स्वाद कैसा है?' राजकुमार ने नीम का पत्ता जैसे ही चबाया कि मुंह कड़वा हो गया। उसने क्रोध में आकर उस पौधे को उखाड़ा और पैरों से रौंद डाला। बुद्ध ने पूछा, 'राजकुमार तुमने पौधे को क्यों रौंद डाला?' उसने जवाब दिया, 'यह अभी इतना कड़वा है तो आगे चलकर विष-वृक्ष ही बन जाएगा। ऐसे पौधे को जड़ से कुचल देना ही ठीक है।' भगवान बुद्ध ने समझाते हुए कहा, 'राजकुमार! तुम्हारे कटु व्यवहार तथा उद्दंडता से पीड़ित नागरिकों ने भी तुम्हारे प्रति ऐसा ही व्यवहार किया तो क्या होगा। यदि तुम आगे चलकर लोकप्रिय बनना चाहते हो तो मृदुभाषी तथा दयावान बनो।' भगवान बुद्ध के वचनों ने राजकुमार की आंखें खोल दीं।

सामयिक

मालूम हो कि हमारे देश में कुल पांच राज्य ऐसे हैं, जहां सभी मुसलमानों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। और ये पांचों राज्य दक्षिण भारत से हैं। इनमें तेलंगाना है, आन्ध्र प्रदेश है, कर्नाटक है, केरल है और तमिलनाडु है। असल में भारत का संविधान धर्म के आधार पर किसी समुदाय को आरक्षण देने की बात नहीं कहता। बल्कि ये समाज में पिछड़े हुए लोगों के उत्थान के लिए आरक्षण की व्यवस्था को लागू करने की बात कहता है। और इस हिसाब से देखें तो धर्म के आधार पर किसी पूरे समुदाय को आरक्षण देना सही नहीं है और ये भारत के संविधान के भी खिलाफ है।दूसरा वर्ग है, वोक्कालिगा समुदाय का, जिसे जइउ की श्रेणी में अब तक चार प्रतिशत आरक्षण मिल रहा था, लेकिन मुस्लिम आरक्षण खत्म होने के बाद ये कोटा चार प्रतिशत से 6 प्रतिशत हो गया है।

कर्नाटक सरकार के नए आरक्षण फैसले पर उठा तूफान

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

देश में आरक्षण देने के नाम पर सियासी पार्टियां अपनी रोटी सेंकती रहती हैं और चुनाव आते ही आरक्षण का मुद्दा जोर-शोर से उठने लगता है। आने वाले समय में देश के कई राज्यों में चुनाव होने हैं, हाल में कर्नाटक सरकार द्वारा मुस्लिम ठेकेदारों को निविदाओं में 47 आरक्षण देने के फैसले ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। सिद्दरामय्या मंत्रिमंडल ने शनिवार को कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे 1 करोड़ रुपये तक के टेंडरों में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। भाजपा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने कहा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, अलग विश्वविद्यालय, अलग निर्वाचन क्षेत्र जैसे छोटे-छोटे मुद्दों ने अंततः स्वतंत्रता के दौरान भारत के विभाजन का कारण बना। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने इसे धर्मांतरण को बढ़ावा देने वाला कदम बताते हुए कहा कि यह सरकार वोट बैंक की राजनीति के लिए सत्ता और सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग कर रही है और हमारी अर्थव्यवस्था को राजनीतिक अवसरवाद के खेल के मैदान में बदल रही है। बीजेपी ने कहा कि ने कहा कि संविधान के तहत धर्म आधारित आरक्षण अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना भले ही चले गए हों, लेकिन अपने पीछे वे लोग छोड़ गए हैं जो उनकी राजनीति करते हैं। प्रसाद ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में मुसलमान अब ऐसी राजनीति पसंद नहीं करते। प्रसाद ने कहा कि भाजपा मौलाना अबुल कलाम आजाद और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम जैसी मुस्लिम हस्तियों का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अंडमान और निकोबार क्षेत्र में एक द्वीप का नाम परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हामिद के नाम पर रखा है। कांग्रेस पर तंज कसते हुए प्रसाद ने कहा, वे कई बार हारने के बाद भी सबक नहीं ले रहे हैं। कर्नाटक में यह आरक्षण राहुल गांधी के संरक्षण में बढ़ाया गया है। सिद्दरामय्या इमें खुद इसकी घोषणा करने की न तो हिम्मत है और न ही राजनीतिक ताकत। उन्होंने आगे राहुल गांधी पर वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

मालूम हो कि हमारे देश में कुल पांच राज्य ऐसे हैं, जहां सभी मुसलमानों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। और ये पांचों राज्य दक्षिण भारत से हैं। इनमें तेलंगाना है, आन्ध्र प्रदेश है, कर्नाटक है, केरल है और तमिलनाडु है। असल में भारत का संविधान धर्म के आधार पर किसी समुदाय को आरक्षण देने की बात नहीं कहता। बल्कि ये समाज में पिछड़े हुए लोगों के उत्थान के लिए आरक्षण की व्यवस्था को लागू करने की बात कहता है। और इस हिसाब से देखें तो धर्म के आधार पर किसी पूरे समुदाय को आरक्षण देना सही नहीं है और ये भारत के संविधान के भी खिलाफ है।दूसरा वर्ग है, वोक्कालिगा समुदाय का, जिसे जइउ की श्रेणी में अब तक चार प्रतिशत आरक्षण मिल रहा था, लेकिन मुस्लिम आरक्षण खत्म होने के बाद ये कोटा चार प्रतिशत से 6 प्रतिशत हो गया है। जिस तरह 6 करोड़ की आबादी वाले कर्नाटक में लगभग 80 लाख मुस्लिम आबादी है, ठीक उसी तरह साढ़े तीन करोड़ की आबादी वाले तेलंगाना में 45 लाख मुसलमान रहते हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश की कुल आबादी 4 करोड़ 90 लाख है। जिनमें 36 लाख मुसलमान हैं। और केरल की आबादी 3 करोड़ 30 लाख है, जिनमें 90 लाख मुसलमान हैं। और तमिलनाडु की कुल आबादी 7 करोड़ 20 लाख है, जिनमें 42 लाख मुसलमान हैं। गौरतलब है सुप्रीम कोर्ट इसके पहले कह चुका है कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं हो सकता है।अदालत ने यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की थी। पश्चिम बंगाल सरकार ने यह याचिका कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने के लिए दायर की थी, जिसमें 2010 से पश्चिम बंगाल में कई जातियों को दिए गए ओबीसी दर्जे को रद्द कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल ने दलील दी कि यह आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर दिया गया। कलकत्ता हाई कोर्ट ने अपना फैसला इस साल 22 मई को सुनाया था।पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच सुनवाई कर रही है।अदालत ने पांच अगस्त को हुई सुनवाई में पश्चिम बंगाल सरकार से ओबीसी लिस्ट में शामिल की गई नई जातियों के सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन और पब्लिक सेक्टर की नौकरियों में उनके अपर्याप्त प्रतिनिधित्व पर आंकड़े उपलब्ध मांगे थे।इस मामले की अगली सुनवाई सात जनवरी को होगी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने अपने फैसले में 'इंद्रा साहनी बनाम भारत सरकार' मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाया था । 'इंद्रा साहनी बनाम भारत सरकार' मामले में सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों के पीठ ने 1992 में माना था कि ओबीसी की पहचान केवल धर्म के आधार पर नहीं की जा सकती और उन्हें आरक्षण नहीं दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि सभी राज्यों को राज्य ओबीसी सूची में किसी जाति को शामिल करने और उनकी पहचान करने के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस गवई ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं हो सकता। इस पर राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि यह धर्म के आधार पर नहीं है।यह पिछड़ेपन के आधार पर है।उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यकों की आबादी 27-28 फीसदी है। सुनवाई के दौरान जब सिब्बल ने कहा कि क्या सैद्धांतिक रूप से मुस्लिम आरक्षण के हकदार नहीं हैं। इस पर जस्टिस गवई ने कहा,आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं हो सकता है। इस पर सिब्बल ने कहा,''यह आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं है, बल्कि पिछड़ेपन पर आधारित है जिसे न्यायालय ने बरकरार रखा है।हिंदुओं के लिए भी यह पिछड़ेपन का आधार है। पिछड़ापन समाज के सभी वर्गों के लिए आम है।''

मोरारजी देसाई की सरकार ने पिछड़ी जातियों के शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन का पता लगाने के लिए बीपी मंडल के नेतृत्व में मंडल आयोग का गठन एक जनवरी 1979 को किया था। मंडल आयोग ने 1980 में अपनी रिपोर्ट पेश की। इस आयोग ने पिछड़ी जातियों के लिए 27 फीसदी आरक्षण की सिफारिश की थी।उस समय केंद्र में इंदिरा गांधी की सरकार थी, लेकिन उसने रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया। उनके बाद आई राजीव गांधी की सरकार ने भी इस दिशा में कुछ नहीं किया। कांग्रेस से बगावत कर निकले वीपी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का निर्णय लिया। सरकार ने तीन हजार 743 जातियों को मिलाकर उन्हें ओबीसी में 27 फीसदी आरक्षण दिया गया। उसी मंडल आयोग ने मुस्लिम समुदाय की कुछ जातियों को भी ओबीसी में शामिल किया था। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल और असम जैसे राज्यों में मुसलमानों की कुछ जातियां ओबीसी का आरक्षण ले रही हैं।

लोकसभा के पूर्व सेक्रेटरी जनरल पीडीटी अचारी कहते हैं कि राज्य सरकार को इस बात का अख्तियार है कि वह रिजर्वेशन दे सकता है। यही कारण है कि अलग अलग राज्यों ने रिजर्वेशन दे रखा है। कर्नाटक, तामिलनाडु और केरल आदि में मुस्लिम को ओबीसी कैटिगरी में राज्य सरकार ने रखा है। इसके तहत सरकारी नौकरी और एजुकेशनल संस्थानों में रिजर्वेशन दिया जाता रहा है। यहां नया सिर्फ यह है कि टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन दिया गया है। कैबिनेट फैसला ले सकती है और इसमें कोई शक नहीं है। यह अलग बात है कि इस फैसले को संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। संसद या विधानसभा से पास किसी भी कानून को संवैधानिक अदालत में चुनौती दी जा सकती है। तब अदालत स्क्रूटनी करती है और यह देखती है कि कानून या सरकार का फैसला संविधान के दायरे में है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट ज्ञानंत सिंह बताते हैं कि शीर्ष अदालत में सरकारी नौकरी में रिजर्वेशन से संबंधित मसला आया है और मौजूदा मामला टेंडर से संबंधित है। संवैधानिक तौर पर यह रिजर्वेशन शायद ही टिक पाए। क्योंकि संविधान में आर्टिकल 15 व 16 में रिजर्वेशन दिए जाने का प्रावधान है। एजुकेशनल इंस्टिट्यूट में दाखिले के लिए आर्टिकल 15 के तहत प्रावधान है और सरकारी नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान आर्टिकल 16 में है।

पिछली कर्नाटक सरकार (बीजेपी सरकार) ने अप्रैल 2024 में मुस्लिम ओबीसी के रिजर्वेशन को खत्म कर दिया था। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। कर्नाटक के मुस्लिम कम्युनिटी की ओर से कहा गया था कि कर्नाटक सरकार ने मुस्लिम ओबीसी का चार फीसदी रिजर्वेशन जो खत्म किया है, उसके लिए कोई उनके पास कोई स्टडी नहीं है। वहीं 26 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक सरकार ने कहा था कि मुस्लिम समुदाय को धर्म के आधार पर नौकरी में रिजर्वेशन न देने का जो फैसला किया गया है वह सोच विचार कर किया गया क्योंकि यह रिजर्वेशन असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद-14 व 16 के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम रिजर्वेशन का वह मामला अभी भी पेंडिंग है।

नजरिया

भौतिकवाद में सत्य के स्वरूप की प्रासंगिकता

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है। आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है।

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। यदि सत्य सच्चाई नहीं होती, तो मानव जीवन नहीं होता, क्योंकि प्रकृति,पहाड़, झरना नदिया जंगल और प्रकृति द्वारा दिए गए प्रतिशत के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति है। और यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच, स्पृहा, कामना, कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और त्वरित लाभ के लिए जीवन के भव सागर में कूद पड़ता है परंतु सत्य ही अंतिम सत्य है। परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से परे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे।

आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है। प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक, सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है। इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है। भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा है। व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा है। समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्वर स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है। सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दासजी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है।

नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है। जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा, जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है।

आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है। आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है। अपनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निर्माता है किंतु नैसर्गिक रूप से लोभी, आलसी, तथा संग्रहण की प्रवृत्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनैतिकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कतई शुभ संकेत नहीं है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में पहले की तुलना में कहीं अधिक तैयार दिखाई दे रहे हैं : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके बीच परस्पर विश्वास का रिश्ता है और वे बेहतर तरीके से एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं, क्योंकि वे हर चीज से ऊपर अपने राष्ट्रीय हितों को रखने में विश्वास करते हैं।

लेक्स फ्रिडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक साहसी व्यक्ति बताया, जिसने अपने फैसले खुद किए और जो अमेरिका के प्रति अटूट रूप से समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका यह समर्पण उस वक्त भी दिखा जब पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान एक बंदूकधारी ने उन्हें गोली मार दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में पहले की तुलना में कहीं अधिक तैयार दिखाई दे रहे हैं।

मोदी ने राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बारे में कहा, ''उनके दिमाग में सुपरिभाषित कदमों के साथ स्पष्ट रोडमैप है, हर रोडमैप उन्हें उनके लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए तैयार किया गया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें ट्रंप की टीम के सदस्यों से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि उन्होंने मजबूत और सक्षम टीम बनाई है। और इतनी मजबूत टीम के साथ, मुझे लगता है कि वे राष्ट्रपति ट्रंप के दृष्टिकोण को लागू करने में पूरी तरह सक्षम हैं।'' इस दौरान, उन्होंने उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, विवेक रामास्वामी और एलन मस्क के साथ अपनी बैठकों को याद किया। प्रधानमंत्री ने सितंबर 2019 में ह्यूस्टन में खचाखच भरे एनआरजी स्टेडियम में आयोजित 'हाउडी मोदी' सामुदायिक कार्यक्रम को याद किया और बताया कि किस तरह ट्रंप ने दर्शकों के बीच बैठकर उनका भाषण सुना था। उन्होंने कहा, ''यह उनकी विनम्रता है। जब मैं मंच से बोल रहा था तब अमेरिका के राष्ट्रपति श्रोताओं में बैठे थे। यह उनका शानदार भाव था।''

प्रधानमंत्री ने यह भी याद किया कि कैसे अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था में उस समय खलबली मच गई थी जब उन्होंने ट्रंप से दर्शकों का अभिवादन करने के लिए खचाखच भरे स्टेडियम का दौरा करने को कहा था और वह बिना किसी हिचकिचाहट के सहमत हो गए थे। उन्होंने कहा, ''उनकी पूरी सुरक्षा सकते में आ गई थी। लेकिन मेरे लिए वह क्षण वास्तव में दिल को छू लेने वाला था। इससे पता चला कि इस आदमी में हिम्मत है। वह अपने फैसले खुद करते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने उस पल में मुझ पर और मेरे नेतृत्व पर भरोसा किया कि वह मेरे साथ भीड़ के बीच चले गए।''

मोदी ने कहा, ''यह आपसी विश्वास की भावना थी, हमारे बीच एक मजबूत बंधन था जो मैंने उस दिन वास्तव में देखा। और जिस तरह से मैंने उस दिन राष्ट्रपति ट्रम्प को सुरक्षा के बिना हजारों की भीड़ में चलते देखा, वह वास्तव में अद्भुत था।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने उसी लचीले और दृढ़ ट्रंप को देखा जब अमेरिकी चुनाव अभियान के दौरान उन पर गोली चलाई गई थी। उन्होंने कहा, ''गोली लगने के बाद भी वह अमेरिका के लिए अटूट रूप से समर्पित रहे। उनका जीवन अपने राष्ट्र के लिए है। इसने उनकी अमेरिका फर्स्ट भावना को दिखाया, जैसे मैं राष्ट्र प्रथम में विश्वास करता हूं', भारत पहले।'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए भारत पहले है। यही वजह है कि हम एक-दूसरे से इतने अच्छे से जुड़े।

ट्रंप ने निर्वासन संबंधी 18वीं सदी के कानून के इस्तेमाल की घोषणा की, न्यायाधीश ने लगाई रोक

वाशिंगटन/एपी

निर्वासन में तेजी लाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 18वीं सदी के एक कानून का इस्तेमाल किए जाने की घोषणा की लेकिन इसके कुछ ही घंटों बाद एक संघीय अदालत के न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को इसे लागू करने से रोक दिया। ट्रंप प्रशासन ने इस कानून का इस्तेमाल करते हुए कहा था कि वेनेजुएला का एक गिरोह अमेरिका पर आक्रमण कर रहा है और प्रशासन के पास उसके सदस्यों को देश से बाहर निकालने के लिए नई शक्तियां हैं।

कोलंबिया जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जेम्स ई बोसबर्ग ने कहा कि उन्हें अपना आदेश तत्काल जारी करने की आवश्यकता है क्योंकि सरकार प्रवासियों को पहले से ही एल साल्वाडोर और होंडुरास भेज रही है।

अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि ट्रंप की घोषणा के तहत इन प्रवासियों को नए सिरे से निर्वासित किया जा सकता है और उन्हें एल साल्वाडोर तथा होंडुरास में कैद किया जाएगा। अल साल्वाडोर ने इस सप्ताह 300 ऐसे प्रवासियों को स्वीकार करने पर सहमति दे दी जिन्हें ट्रंप प्रशासन ने गिरोह का सदस्य घोषित किया है। बोसबर्ग ने एसीएलयू और 'डेमोक्रेसी फॉरवर्ड' द्वारा दायर मामले की शनिवार शाम सुनवाई करते हुए कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैं अब और इंतजार कर सकता हूं और मुझे कार्रवाई करनी होगी।''

इस फैसले से कुछ ही घंटे पहले ट्रंप ने 1798 के 'एलियन एनीमीज एक्स' (विदेशी शत्रु अधिनियम) को लागू करते हुए दावा किया कि वेनेजुएला का गिरोह 'ट्रेन डी अरागुआ' अमेरिका पर आक्रमण कर रहा है।

मुलाकात

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को जशपुर के आगाडीह हवाई पट्टी पर एनसीसी के 3 सीजी एयर स्क्वाड्रन रायपुर के प्रशिक्षण कैडेट से मिलते हुए।

पृथ्वी पर लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को करना पड़ता है कई चुनौतियों का सामना

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर अंतरिक्ष यात्रियों को हवा में तैरते देखना भले ही मजेदार लगता हो, लेकिन वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होने का असर धरती पर लौटने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों पर लंबे समय तक रहता है और उन्हें मतली, चक्कर आने, बात करने और चलने में दिक्कत जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ता है।

नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर तथा रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव बुधवार को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर लौटेंगे।

विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पिछले साल पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। वे दोनों आठ दिन के मिशन के लिए ही गए थे, लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

विभिन्न अंतरिक्ष मिशन के तहत यात्रा कर चुके कई अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर लौटने के बाद चलने में कठिनाई, देखने में दिक्कत, चक्कर आने तथा 'बेबी फीट' नामक स्थिति जैसी चुनौतियों का सामना करने की बात कही है। 'बेबी फीट' का तात्पर्य है कि अंतरिक्ष यात्रियों के तलवों की त्वचा का मोटा हिस्सा निकल जाता है और उनके तलवे बच्चे की तरह मुलायम हो जाते हैं।

ह्यूस्टन स्थित 'बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन' ने अंतरिक्ष में शरीर में होने वाले बदलावों के बारे में कहा, ''जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर वापस लौटते हैं तो उन्हें पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार तुरंत फिर से ढलना पड़ता है। उन्हें खड़े होने, अपनी दृष्टि को स्थिर करने, चलने और मुड़ने में समस्या हो सकती है। पृथ्वी पर लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को उनकी बेहतरी के लिए पृथ्वी पर लौटने के तुरंत बाद अक्सर एक कुर्सी पर बिठाया जाता है।''

अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर जीवन के अनुसार स्वयं को फिर से ढालने में कई सप्ताह लगते हैं। कान के अंदर स्थित 'वेस्टिबुलर' अंग मस्तिष्क को गुरुत्वाकर्षण के बारे में जानकारी भेजकर पृथ्वी पर चलते समय मनुष्यों को अपने शरीर को संतुलित रखने में मदद करता है।

जापानी अंतरिक्ष एजेंसी जेएएक्सए ने कहा, ''अंतरिक्ष में कम गुरुत्वाकर्षण के कारण 'वेस्टिबुलर' अंगों से प्राप्त होने वाली जानकारी में बदलाव आता है। ऐसा माना जाता है कि इससे मस्तिष्क भ्रमित हो जाता है और 'स्पेस सिकनेस (अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले कई लोगों को होने वाली स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत) हो जाती है। जब आप पृथ्वी पर वापस आते हैं, तो आप पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभावों का फिर से अनुभव करते हैं और इस प्रकार कभी-कभी 'ग्रेविटी सिकनेस' हो जाती है, जिसके लक्षण 'स्पेस सिकनेस' जैसे ही होते हैं।''

पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों को शरीर के निचले हिस्से की ओर खींचता है, लेकिन अंतरिक्ष में भारहीनता के कारण अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर में ये तरल पदार्थ शरीर के ऊपरी हिस्सों में जमा हो जाते हैं और इसी कारण वे फूले हुए नजर आते हैं।

फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो चुकी है।

हाल ही में, सलमान ने मुंबई में फिल्म सिकंदर की अंतिम शूटिंग पूरी की, जिसमें उनके साथ रश्मिका मंदाना, निर्देशक ए. आर. मुरुगदॉस और निर्माता साजिद नाडियाडवाला भी मौजूद थे।शूटिंग के बाद सलमान खान ने अपने लुक में एक बड़ा बदलाव किया।उन्होंने अपनी दाढ़ी साफ कर ली, जो उन्होंने फिल्म के किरदार के लिए बढ़ाई थी। सलमान की क्लीन-शेव तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बताया जा रहा है कि यह मुंबई के बांद्रा में सलमान और रश्मिका के बीच का एक पैचवर्क सीन था, जो रात 8:30 बजे पूरा हुआ।

शूटिंग खत्म होते ही सलमान ने दाढ़ी हटा दी, क्योंकि असल जिंदगी में वह क्लीन-शेव लुक ही पसंद करते हैं।'सिकंदर' की शूटिंग मुंबई, हैदराबाद और देश के अन्य हिस्सों में लगभग 90 दिनों तक चली। इस दौरान चार गाने फिल्माए गए, जिनमें तीन जबरदस्त डांस नंबर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, पांच बड़े एक्शन सीक्वेंस भी शूट किए गए, जो दर्शकों को बड़े पर्दे पर शानदार अनुभव देने वाले हैं। फिल्म सिकंदर में रोमांस, राजनीति, ड्रामा और बदले की कहानी के साथ बड़े पैमाने पर एक्शन देखने को मिलेगा। फिलहाल, फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर है, जिसमें कलर ग्रेडिंग, वीएफएक्स और बैकग्राउंड म्यूजिक जोड़ा जा रहा है।

अगले पांच दिनों में 'सिकंदर' की फाइनल प्रिंट तैयार हो जाएगी, जिसके बाद ईद 2025 की रिलीज़ के लिए काउंटडाउन शुरू हो जाएगा।हालांकि, फिल्म की मुख्य शूटिंग जनवरी में खत्म हो गई थी, लेकिन सलमान, रश्मिका और पूरी टीम ने फरवरी और मार्च में कुछ पैचवर्क और एक प्रमोशनल गाना शूट किया।

आर. माधवन की फिल्म 'टेस्ट' का नया टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने अभिनेता आर. माधवन की आने वाली फिल्म टेस्ट का नया टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म 'टेस्ट' का एक टीजर हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसमें अभिनेत्री नयनतारा के किरदार का खुलासा हुआ। अब इस फिल्म का एक और टीजर सामने आया है, इसमें आर. माधवन के किरदार की झलक मिली है। इस फिल्म में अभिनेता सिद्धार्थ भी नजर आएंगे।फिल्म 'टेस्ट' में आर. माधवन ने सरवनन नाम के व्यक्ति का किरदार किया है।वह काफी महत्वकांक्षी भी है।सरवनन के सामने कई तरह के संघर्ष हैं, चुनौतियां हैं, जिनका सामना उसे करना है। आर. माधवन ने कहा,'सरवनन एक ऐसा इंसान है, जो बहुत प्रतिभाशाली है। यह गुण उसकी ताकत भी है और यही उसके लिए मुश्किल भी खड़ी करता है। फिल्म में उसे अपने व्यवहार के कारण, महत्वकांक्षी होने के कारण एक बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ती है। इस कहानी से, किरदार से कई दर्शक खुद को जोड़ सकते हैं। मैं इंतजार कर रहा हूं कि कब नेटफ्लिक्स पर दर्शक फिल्म 'टेस्ट' को देखें।'

हर पल आखिरी लगता है : धर्मेंद्र

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिने जगत के 'ही मैन' धर्मेंद्र जितना अपनी अदायगी से दर्शकों को लुभाते हैं उतना ही सोशल मीडिया पोस्ट से भी छाए रहते हैं। एक नई पोस्ट में 89 वर्षीय अभिनेता ने दिल की बात शायराना अंदाज में बयां की तो प्रशंसक भावुक हो उठे। धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर अपना पोट्रेट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर पल लगता है पल ये आखिरी है। जी भर कर लूं बातें मैं आपसे, ऐसा सभी को लगता है। हमेशा साहसी और पॉजिटिव बने रहो दोस्तों। सोशल मीडिया पर खासा पसंद किए जाने वाले अभिनेता धर्मेंद्र की लेटेस्ट पोस्ट पर उनके बेटे और अभिनेता सनी देओल ने दिल वाले इमोजी के साथ अपने जज्बात दिखाए। वहीं, उनके प्रशंसक भावुक नजर आए और कमेंट कर अभिनेता से कहा कि वह ऐसी बातें न किया करें।

एक यूजर ने लिखा, उगता हुआ सूरज आपको दुआ दे, खिलता हुआ फूल आपको खुशबू दे, हम तो देने के काबिल नहीं हैं, देने वाला आपको हजार खुशियां दे। सर, आप जैसा इंसान, आप जैसा एक्टर इस दुनिया में दोबारा नहीं मिलेगा। दूसरे यूजर ने लिखा, सर, आप उदास क्यों हैं? तीसरे ने लिखा, ऐसा मत बोलिए सर जी। एक अन्य यूजर ने धर्मेंद्र को जिंदादिल बताते हुए आगे लिखा, धरम जी, सपने में भी कभी ऐसा ख्याल न लाइए। आप ऐसी बातें ना करें। आपको नहीं पता कि आप कितनों को जीने का हौसला देते हैं। आप खुश, दीर्घायु और हमेशा स्वस्थ

रहें। ईश्वर से यही प्रार्थना है। इससे पहले धर्मेंद्र ने होली के मौके पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में छोटे बच्चे टीवी के सामने मस्ती करते नजर आए। टीवी पर पाजी का गाना 'तू जो कहेगा मैं वो सब करूंगा...' बज रहा है।

वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए धर्मेंद्र ने कैप्शन में लिखा, देखिए कैसे ये बच्चे मेरे पुराने गाने का लुत्फ उठा रहे हैं। 'तू जो कहेगा मैं वो सब करूंगा...' गाना फिल्म 'मां' का है, जिसे आवाज मोहम्मद रफी ने दी थी।

'भूत बंगला' में जिशु सेनगुप्ता की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म भूत बंगला' में जिशु सेनगुप्ता की एंट्री हो गयी है। जानेमाने फिल्मकार प्रियदर्शन की मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' इस साल की सबसे बड़ी और चर्चित फिल्मों में से एक है। ये फिल्म अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ प्रियदर्शन की आइकॉनिक तिकड़ी की वापसी का गवाह बनेगी। मेकर्स लगातार फिल्म से जुड़े नए अपडेट्स से फैंस को एक्साइटेड बनाए हुए हैं। अब मेकर्स ने फिल्म की स्टारकास्ट में एक और दमदार नाम जोड़ दिया है। जिशु सेनगुप्ता की एंट्री फिल्म में ऑफिशियल हो चुकी है, और खास बात ये है कि इस अनाउंसमेंट को उनके बर्थडे के मौके पर किया गया है। जिशु की एंट्री से फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। जिशु सेनगुप्ता के जन्मदिन के मौके पर बालाजी टेलीफिल्म्स ने एक खास अनाउंसमेंट किया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक इंटरेस्टिंग पोस्ट के जरिए खुलासा किया कि जिशु सेनगुप्ता प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' का हिस्सा होंगे।

जिशु सेनगुप्ता, जो अपनी दमदार और वर्सेटाइल परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं, उनकी एंट्री से 'भूत बंगला' को और भी इंट्रेस्टिंग बना दिया है। प्रियदर्शन की शानदार कॉमेडी, अक्षय कुमार की परफेक्ट टाइमिंग और एक जबरदस्त स्टारकास्ट के साथ ये फिल्म फैंस के लिए एक जबरदस्त एंटरटेनर साबित होने वाली है। फैंस इस मोस्ट अवेटेड प्रोजेक्ट से जुड़ी हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'भूत बंगला' में जिशु सेनगुप्ता एक आइकॉनिक स्टारकास्ट के साथ नजर आएंगे, जिसमें तब्बू, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी जैसे बड़े नाम शामिल हैं, जो इस फिल्म को और भी ग्रैंड बना रहे हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही यह फिल्म शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस कैप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की जा रही है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर फारा शेख और वेदांत बाली हैं। इसकी कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन ने तैयार किया है। डायलॉग रोहन शंकर ने लिखे हैं। 'भूत बंगला' दो अप्रैल 2026 को थियेटर में रिलीज़ होने जा रही है।

12 सितंबर को रिलीज होगी 'सनी संस्कारी की तुलसी' कुमारी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की जोड़ी वाली फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, 12 सितंबर को रिलीज होगी। शशांक खेतान के निर्देशन में बन रही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी इस वर्ष 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म सितंबर महीने में थिएटरों में दस्तक देगी। मेकर्स ने इस फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस की है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी अब 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वरुण धवन और जान्हवी कपूर इस फिल्म के जरिये एक बार फिर साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। इस फिल्म से पहले दोनों फिल्म बवाल में साथ काम कर चुकें हैं। वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ भी हैं। करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।

बैक-टू-बैक अलग-अलग फिल्मों में काम कर रही हैं शनाया कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बैक-टू-बैक अलग-अलग जॉनर की फ़िल्मों में काम कर रही हैं। शनाया कपूर अपनी पहचान बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। फिल्म तू या मैं में अपनी पहली झलक की रिलीज़ के बाद से ही शनाया अपनी आत्मविश्वास भरी स्क्रीन प्रेजेंस के लिए लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। बेजॉय नांबियार निर्देशित और कलर येलो बैनर के तहत निर्मित तू या मैं में शनाया और आदर्श गौरव नज़र आएंगे, जिसने सभी को चौंका दिया है। झलक को लेकर शुरुआती प्रतिक्रियाएं सकारात्मक रही हैं। शनाया ने अपनी फ़िल्म आँखों की गुस्ताखियाँ की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसमें वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता विक्रांत मैसी के साथ काम कर रही हैं। संतोष सिंह निर्देशित यह फ़िल्म रस्किन बॉन्ड की सबसे पसंदीदा लघु कहानियों में से एक से प्रेरित एक मार्मिक प्रेम कहानी है। शनाया ने अपनी तीसरी परियोजना भी शुरू कर दी है। वर्तमान में जेसी शीर्षक वाली इस फिल्म का निर्देशन शुजात सौदागर कर रहे हैं और इसमें शनाया के साथ अभय वर्मा हैं। गोवा में सेट एक रोमांटिक कॉमेडी, इस परियोजना की पुष्टि हाल ही में निर्देशक की इंस्टाग्राम स्टोरी के माध्यम से की गई थी, जिसमें दोनों मुख्य अभिनेताओं के क्लैपबोर्ड और टैग दिखाए गए थे। शनाया ने अभी-अभी अपनी पहली फिल्म पूरी की है।वह पहले से ही अपनी अगली परियोजना में जुट गई हैं, अब एक महीने के लिए गोवा में हैं, अभय वर्मा के साथ शूटिंग शुरू कर रही हैं। यह उनके लिए साल की एक पावर-पैक शुरुआत रही है - बैक-टू-बैक शूटिंग और गहन तैयारी। इस भूमिका के लिए, उन्होंने कई सप्ताह कार्यशालाओं में बिताए, और किरदार में ढलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। थ्रिलर से लेकर रोमांटिक-कॉमेडी तक की तीन फिल्मों के साथ, शनाया कपूर स्पष्ट रूप से एक बहुमुखी और पोर्टफोलियो बना रही हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 17-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के आदिनाथ जैन श्वेताबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम द्वारा शंकरपुरम में निर्मित केसरिया आदिनाथजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथ प्रतिमा के प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य दिन आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी, श्रुतोपासकश्री रत्नसंचयसूरीश्वरजी, आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीजी व अनेक साधु-साध्वी भगवंतों के सान्निध्य में प्रतिष्ठा महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

शंकरपुरम जैन मंदिर में पूरे विधि विधान व मंत्रोच्चारण के साथ केसरिया आदिनाथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम द्वारा शंकरपुरम में निर्मित केसरिया आदिनाथजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथ प्रतिमा के प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य दिन आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी, श्रुतोपासकश्री रत्नसंचयसूरीश्वरजी, आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीजी व अनेक साधु-साध्वी भगवंतों के सान्निध्य में प्रतिष्ठा महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ पूरे विधि विधान से मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ।

शुभ मुहूर्त में प्रतिष्ठित हुए प्रभु आदिनाथ

रविवार को प्रातः 5 बजे गुरुदेव की निश्रा में पारसमल मुकेशकुमार पुनमिया परिवार के निवास स्थान से ध्वजारोहण हेतु ध्वजा लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें ढोल-नगाड़ों और बाजे-गाजे के साथ श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 5:30 बजे मंदिर प्रांगण में भगवान, देव-देवी विराजमान और ध्वजारोहण का विधिविधान का प्रारंभ हुआ। शुभ मुहूर्त सुबह 6:15 बजे ओम पुण्याहं पुण्याहं प्रियन्ताम प्रियन्ताम जयघोष के साथ ध्वजारोहण व प्रतिमा विराजमान का विधान संपन्न हुआ। प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त में आचार्यों के मुखारविन्द से ओम पुण्याहं पुण्याहं... प्रियन्ताम प्रियन्ताम मंत्रों के गूंजते स्वर से वातावरण मंगलमय बन गया। संतों के करकमलों से श्री केसरिया आदिनाथ भगवान की प्राण प्रतिष्ठा विधिपूर्वक संपन्न हुई। देव-देवियों की भी प्रतिष्ठापना की गई। 7 बजे प्रतिष्ठा के पश्चात संतों की निश्रा में धर्मसभा मंडप के समक्ष गुरु वंदन, कांबली ओढ़ाने और सभी संतों का आभार प्रकट किया गया।

लाभार्थी परिवारों का किया गया सम्मान, हुई अनुमोदना

सुबह 9:30 बजे भरत चक्रवर्ती भोजन मंडप में शाही करबा सहित पूरे दिन विशेष फलेचुंदड़ी (बड़ी नवकारसी) का आयोजन भी रखा गया। इस मौके पर अमर ध्वजा, शाही करबा, जय जिनेन्द्र, तोरण लाभार्थी परिवार व अन्य लाभार्थियों का सम्मान और किया गया। गुरुदेव को पारसमल पुनमिया परिवार द्वारा कांबली ओढ़ाई गई। प्रतिष्ठा संयोजक पारस भंडारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुदेव की महती कृपा से बेंगलूरु की भूमि पर वर्षों से प्रतीक्षित प्रतिष्ठा का यह स्वप्न साकार हुआ। इस अवसर पर प्रतिष्ठा के अमरध्वजा के लाभार्थी मुकेश पुनमिया परिवार, तेजराज गुलेच्छा परिवार, राजेंद्र प्लाईवुड (मुन्नीलाल चोपड़ा, नारंगीदेवी, चंपालाल चोपड़ा परिवार), मैसूर पाइप सप्लायर्स के पारसमल, मिश्रीमल चोपड़ापरिवार, नाहर परिवार, मेहता गोल्ड एण्ड डायमंड्स के वेदमुथा परिवार, राजधानी पेपर बोर्ड प्रा. लि. परिवार, सालेचा परिवार का संघ परिवार द्वारा तिलक, श्रीफल, माला, साफा, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

पूरे शंकरपुरम क्षेत्र में छाया रहा खुशी व उमंग का माहौल

संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की, पारस भंडारी को 'जिनशासन रत्न' उपाधि

प्रतिष्ठा पश्चात बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रथम बार नए मंदिर में प्रतिष्ठित हुई जिन प्रतिमाओं के दर्शन किए। इस महोत्सव में सांचोरी जैन संघ, मुंबई का विशेष सौभाग्य रहा, जब आचार्य श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा. ने आगामी चातुर्मास के लिए मुंबई संघ के निवेदन को स्वीकार कर आशीर्वाद प्रदान किया।

इस महोत्सव में तीन मुख्य स्थानों पर अन्नदान का आयोजन भी रखा गया। इस पावन अवसर पर प्रतिष्ठा संयोजक पारसमल भंडारी को गुरुदेव के आशीर्वाद से 'जिनशासन रत्न' की विशिष्ट उपाधि से सम्मानित किया गया तथा संघ परिवार द्वारा उनका सम्मान किया गया।गुरुदेव के आशीर्वचनों ने सकल संघ को धर्माराधना की प्रेरणा दी। पारसमल भंडारी ने सभी सहयोगी मंडलों, संघ, ट्रस्ट, युवा, महिला, बालिका मंडल का विशेष आभार व्यक्त किया। महोत्सव की पूर्णता के समय विदाई गीत के साथ गुरुदेव की भावभीनी विदाई हुई।

धर्म प्रदर्शन में नहीं, स्वदर्शन में जीवंत रहता है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रविवार को महालक्ष्मी लेआउट में चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि धर्म की प्रभावना का अर्थ है, धर्म का इस प्रकार प्रसार-प्रचार करना जिससे अबोध लोगों को धर्म का बोध मिले, जनसामान्य धर्मतत्व के प्रति आकर्षित बने, उनके भीतर धर्मतत्व से रूपांतरण हो, यानी उनका भी मंगल-कल्याण हो।इसलिए धर्म की आराधना के बाद दूसरे क्रम में धर्म की प्रभावना आती है, यानी धर्म की आराधना-उपासना स्वयं तक केंद्रित होती है, लेकिन धर्म की प्रभावना सर्वमंगल-सर्वहित की कामना है। इसके बाद तीसरा क्रम धर्मरक्षा का आता है अर्थात अधर्म और अधार्मिक प्रवृत्तियों से धर्म की रक्षा करना। धर्म की रक्षा करने से ही अपनी रक्षा हो सकती है। दुर्गति की ओर बढ़ रही आत्माओं को धर्म धारण करता है और उन्हें सद्गति की ओर मोड़ता है। धर्म के शुद्ध स्वरूप को समझना ही ज्ञानी होने का सार है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म अद्भुत, अनुपम और अमूल्य तत्व है। यह प्राणीमात्र के कल्याण और सबकी सुख-शांति का नियामक है। धर्म का अनुयायी होना और धार्मिक होना, दोनों में गहरा अंतर है। अनुयायी होने का अर्थ है किसी धर्म-संप्रदाय की मान्यता और धार्मिक होने का अर्थ है धर्म को धारण करना, धर्ममय होना यानी धर्मतत्व से स्वयं का रूपांतरण करना।

यह अवस्था धर्मतत्व को ठीक से समझे बिना संभव नहीं है। धर्मस्थल, धर्मगुरु और धर्मग्रंथ धर्म के प्रतीक हैं। वे धर्मतत्व को समझने के माध्यम हैं, लेकिन धर्मतत्व स्वयं के भीतर संक्रामित या फलीभूत हो, यह अत्यंत आवश्यक है। इसलिए धर्म का दिखावे से कोई संबंध नहीं है। धर्म प्रदर्शन में नहीं, स्वदर्शन में जीवंत रहता है। दिखावे की चेष्टाएं अधार्मिक होने का प्रतीक हैं। धर्म की आराधना-उपासना तो सभी लोग अपने-अपने ढंग से करते आ रहे हैं, लेकिन धर्मतत्व को अपने भीतर सुपाच्य बनाना अर्थात उससे अपने अंतर का रूपांतरण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

धर्म की यही वास्तविक उपलब्धि है। भीतर के रूपांतरण का अर्थ है मनुष्य के सोच-विचार, आहार, व्यवहार, वाणी, व्यापार, चाल-चलन, सभी में सम्यक परिवर्तन का आना। एक प्रकार से यह ज्ञानदशा का प्रकटीकरण है। चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ में संतों का विशेष स्वागत किया गया। महिलाओं ने स्वस्तिक रचना कर मंगल कलशों से स्वागत किया।

राधा-कृष्ण की संगीतमय भक्ति कर माहेश्वरी सभा ने मनाया अपना स्वर्णिम वर्ष

50वें स्वर्णिम वर्ष महोत्सव एवं होली स्नेह मिलन में शामिल हुए 3 हजार लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माहेश्वरी सभा बेंगलूरु के स्वर्णिम इतिहास के सफर की झलकियों की ऑडियो वीडियो की प्रस्तुति दी गई। वृंदावन से आए माधवास रॉक बैंड के कलाकारों ने जब पाने को ही प्रेम कहे, जग की ये है रीत, प्रेम का सही अर्थ समझाएगी राधा-कृष्णा की प्रीत' भजन गाया तो पूरा माहेश्वरी समाज राधा कृष्ण भक्ति से सराबोर हो उठा। पूरा सभागार वृंदावन धाम जैसा बन गया, हर एक व्यक्ति ने नाच झूम कर राधा कृष्ण की भक्ति की।

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा ने अपने 50वें स्वर्णिम वर्ष महोत्सव एवं पारंपरिक होली स्नेह मिलन का आयोजन पैलेस ग्राउंड्स स्थित एक सभागार में धूमधाम से मनाया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर मालू, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, माहेश्वरी फाउण्डेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन गोपालदास इन्नानी, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा, कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक सुनील बजाज, मीडिया पार्टनर वेणुगोपाल बजाज, मल्टी मीडिया पार्टनर केशव इन्नानी, हॉस्पिटलिटी पार्टनर प्रमोद बलदवा, ट्रैवल पार्टनर नंदकिशोर मालू ने सर्व प्रथम भगवान महेश का पूजन किया एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रभात करनानी के साथ महिला टीम ने भगवान महेश की वन्दना की प्रस्तुति दी।

अध्यक्ष नवलकिशोर मालू ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम में पधारे हुए सभी स्वजनों को स्वर्णिम वर्ष महोत्सव एवं होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा, होली केवल रंगों का त्योहार ही नहीं है बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं, मित्रता और भाईचारे का एक अनुपम प्रतीक भी है। यह बुराई पर अच्छाई की विजय, बसंत के आगमन और आपसी प्रेम एवं सद्भावना का संदेश देता है। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि हम भेदभाव को भुलाकर, हम सब एकता के रंग में रंग जाएँ। उन्होंने कहा कि आज कार्यक्रम में लगभग 3 हजार लोगों की उपस्थिति मन को आनंदित कर रही है। मालू ने सभी प्रायोजकों को धन्यवाद दिया। समस्त प्रायोजकों का बारी बारी से माहेश्वरी सभा द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया।

मुख्य प्रायोजक एवनप्लॉस्ट के सुनील बजाज का सम्मान अध्यक्ष नवलकिशोर मालू व निवर्तमान अध्यक्ष निर्मलकुमार तापडिया ने, नंदकिशोर मालू का सम्मान उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी एवं सचिव अजय राठी ने, केशव गोपालदास इन्नानी का सम्मान संगठन मंत्री सत्यनारायण मालानी ने, वेणुगोपाल बजाज का सम्मान कोषाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा ने एवं मधुसूदन प्रमोद बलदवा का सम्मान सहकोषाध्यक्ष विनीतकुमार बियानी व अध्यक्ष नवलकिशोर मालू ने किया। किशनगढ़ से आए अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर के महामंत्री रमेशकुमार छापरवाल का सम्मान नवलकिशोर मालू एवं भगवानदास लाहोटी ने किया।

इस मौके पर माहेश्वरी सभा बेंगलूरु के स्वर्णिम इतिहास के सफर की झलकियों की ऑडियो वीडियो की प्रस्तुति दी गई। वृंदावन से आए माधवास रॉक बैंड के कलाकारों ने जब पाने को ही प्रेम कहे, जग की ये है रीत, प्रेम का सही अर्थ समझाएगी राधा-कृष्णा की प्रीत' भजन गाया तो पूरा माहेश्वरी समाज राधा कृष्ण भक्ति से सराबोर हो उठा। पूरा सभागार वृंदावन धाम जैसा बन गया, हर एक व्यक्ति ने नाच झूम कर राधा कृष्ण की भक्ति की। कलाकारों की अद्भुत ऊर्जा के प्रभाव से हर कोई व्यक्ति उल्लास से भर गया । ब्रज की फूलों की होली में सभी ने आनंद लिया। माधवास ने जब होली खेल रहे बांके बिहारी और आज अवध में होली रे रसिया, ब्रज में खेले मेरे श्याम सांवरिया...' गाया तो सभी लोग भक्तिरस में डूब गए और अपने अपने स्थान पर ही राधा कृष्ण की भक्ति में झूम उठे। कार्यक्रम के दौरान माधवास रॉक बैंड टीम का सम्मान किया गया। संगठन मंत्री सत्यनारायण मालानी ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन सहसचिव राजेश मारू ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com